खबर संक्षेप

नशे से दूर रहेंगे तभी स्वयं व समाज को बना सकेंगे सशक्त

मण्डला। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय मंडला के द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान का कार्यक्रम बिनैका ग्राम पंचायत में किया गया। इस कार्यक्रम में क्षैत्रीय संचालिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी ममता दीदी, राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी ओमलता दीदी, अमित पटेल एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे। ओमलता दीदी ने सभी ग्रामवासियों को बताया कि नशा एक विश्वव्यापी समस्या बन चुकी है। दीदी ने नशे के दुष्परिणामों को समझाया कि नशा, शारीरिक और मानसिक दुष्प्रभाव डालता है। नशे की बुरी आदतों के फलस्वरूप लोगों को आर्थिक परेशानियों और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसलिए जब हम नशे से दूर रहेंगे तभी खुद को, समाज को और भारत देश को सशक्त बना सकेंगे। अमित ने सभी ग्रामवासियों को नशे से दूर रहने के लिए कहा। सभी को नशा मुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद ब्रह्माकुमारी ओमलता दीदी ने सभी ग्रामवासियों को नशा मुक्त जीवन जीने की प्रतिज्ञा दिलवाई। गंगा दशहरा के दिन नशा मुक्त भारत अभियान के तहत संगम घाट पर कार्यक्रम किया गया। संगम घाट पर आने वाले सभी श्रद्धालुओं को नशा मुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित किया। नशा मुक्त जीवन जीने की प्रतिज्ञा भी कराई।

ग्राम पंचायत मवई अपनों को कर रही लाभांवित

अपात्रों को जारी हुई शौचालय की राशि

*** हितग्राहियों का नहीं किया गया भौगोलिक सत्यापन।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/मवई

जनपद पंचायत मवई की ग्राम पंचायत मवई में योजनाओं के क्रिन्यावयन में मनमानी की जा रही है। ग्रामीणों के आरोप है कि पंचायत द्वारा शौचालय विहीन परिवारों की पुरानी सूची को दरकिनार कर अपात्रों को लाभ दे दिया गया है। इनमें अधिकांश जनों के घर में शौचालय है और कुछ अपात्र पंचायत कर्मी या फिर सरपंच के रिश्तेदार है। ग्रामीणों के द्वारा पंचायत दर्पण पोर्टल सर्च करने पर यह जानकारी लगने के बाद विरोध किया जा रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि शौचालय विहीन परिवारों को शौचालय निर्माण के लिए 12 हजार की राशि का भुगतान के बिल के लिए जनपद कार्यालय मवई सीईओ के हस्ताक्षर वाले आदेश की कॉपी भी डाली गई। जिसमे 11 हितग्राहियों के नाम पर लगभग सवा लाख रुपए का भुगतान बताया गया। सूची में स्पष्ट किया गया है कि यह राशि शौचालय विहीन परिवार के घर में निर्माण के लिए है। जिमेदार जनपद कार्यालय मवई एवं ग्राम पंचायत मवई के कर्मचारियों ने भौगोलिक सत्यापन ही नहीं किया गया। अपात्रों को योजना का लाभ दे दिया गया है।

एक ही परिवार में 2- 2 लोगों को शौचालय की राशि प्रदान कर करीबियों को आर्थिक लाभ पहुंचाया गया है। इन 11 लोगों की सूची में 3 परिवार से अलग कर 6 लोगो को लाभ पहुंचाया गया है। ग्राम पंचायत मवई जो की मंडला जिला मुख्यालय से लगभग 100 किलो मीटर दूर है, इसके चलते प्रशासनिक अफसरो के द्वारा निरीक्षण नहीं किया जाता है और शिकायतों पर कोई कार्रवाई नहीं होती है। जिसके कारण पात्र हितग्राही योजना से वंचित रह जाते है।

सूची में पंच की पत्नि का नाम पहले

बताया गया कि शौचालय के लिए जारी की गई सूची में पहला नाम ही ग्राम पंचायत मवई के पंच के पत्नी का है। पंचायत के ही जिम्मेदार अपने परिजनों को शासकीय योजना का लाभ देने नियम विरूद्ध लाभ ले रही है। ग्राम पंचायत मवई में इन दिनों धड़ल्ले से अपनो को लाभ देने का सिलसिला चल रहा है।

पात्र हितग्राही को किया दरकिनार

ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत के द्वारा प्रस्ताव व बिना जानकारी दिए शौचालय की सूची फाइनल की गई, जबकि पंचायत में एक पुरानी सूची पहले से उपलब्ध थी। जिसमे वास्तविक रूप से शौचालय निर्माण के लिए पात्र परिवार के नाम थे। उस सूची को दर किनार कर सचिव ग्राम पंचायत मवई व अन्य जिम्मेदार द्वारा नई सूची में अपात्रों को शौचालय योजना का लाभ दिया गया। इसको लेकर ग्रामीणो में रोष देखा जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि हाल में निर्माण के लिए जारी की राशि व हितग्राहियों का सत्यापन किया जाए। सूची निरस्त कर पुरानी सूची को प्राथमिकता दी जाए।

दोषियों पर कार्यवाही की मांग

पूरा मामला शासन की योजना की राशि का गोलमाल करने का है। जिसमें जिम्मेदार अपनों को लाभांवित किया है। शासन की महत्वकांक्षी योजना से खिलवाड़ करते हुए अपात्रों को लाभ दिया गया। जिससे पात्र हितग्राही इस योजना से वंचित रहे। एक तरफ केंद्र एवं राज्य सरकार गरीब कल्याण के लिए विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन करने का दावा कर रही है, लेकिन मवई जनपद और पंचायत में बैठे कर्मचारी अपने आप को आला अधिकारी मान कर पात्रों का हक छीन रहे है। इस भ्रष्टाचार की उच्च स्तरीय जांच कर इन परिवार का भौगोलिक सत्यापन कर दोषियों पर कार्यवाही करने की मांग की है।

पक्षी सर्वेक्षण में प्रतिभागियों ने देखे दो नई प्रजाति के पक्षी

*** कान्हा में ब्रोंज ड्रैगो, इम्पीरियल पिजन पक्षी के साथ 381 प्रजाति**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

कान्हा नेशनल पार्क में वाइल्ड लाइफ एंड नेचर कंजर्वेसी सोसायटी इंदौर के सहयोग से चार दिवसीय सातवां पक्षी सर्वेक्षण आयोजित किया गया। सर्वेक्षण 13 से 16 जून तक चला। सर्वेक्षण के प्रारंभ में क्षेत्रसंचालक कान्हा टाइगर रिजर्व द्वारा समस्त प्रतिभागियों को संबोधित किया गया। चार दिनों तक चले इस पक्षी सर्वेक्षण में देश के 10 राज्यों से 85 प्रतिभागियों द्वारा हिस्सा लिया। जिसमें महाराष्ट्र, हरियाणा, गुजरात, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तराखण्ड, अरुणाचल प्रदेश एवं मध्यप्रदेश इत्यादि राज्यों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। सातवां पक्षी सर्वेक्षण में 02 नई प्रजातियाँ ब्रोंज ड्रैगो, इम्पीरियल पिजन मिली। जिन्हें मिलाकर कान्हा में पिछले सर्वेक्षण में मिली 379 को मिलाकर 381 हो गई।

बताया गया कि ईको सेन्टर खटिया में वाईल्ड लाइफ एवं नेचर कंजरवेंसी एवं कान्हा प्रबंधन द्वारा समस्त प्रतिभागियों को सर्वेक्षण में ली जाने वाले सावधानियों से अवगत कराने के बाद कान्हा के वाहन द्वारा प्रतिभागियों को विभिन्न केम्पों में पहुंचाया गया। यह सर्वेक्षण ई-बर्ड एप के माध्यम से किया गया। प्रत्येक केम्प में दो प्रतिभागियों को रखा गया। विगत वर्षों के अनुभव के आधार पर केम्पों को चयन किया गया।

7 से 8 किमी की दूरी पैदल की तय

दोनों प्रतिभागियों द्वारा स्थानीय कर्मचारियों के साथ पक्षी सर्वेक्षण के दौरान चार ट्रेल किये। प्रत्येक ट्रेल में 7-8 किमी की दूरी पैदल तय की गई एवं डेटा अपलोड किया गया। सर्वेक्षण के अंतिम दिन 16 को समस्त प्रतिभागियों को ईको सेन्टर खटिया में उपस्थित हुये। क्षेत्रसंचालक एवं कान्हा टाइगर रिजर्व के प्रबंधन के साथ समस्त प्रतिभागियों ने पक्षी सर्वेक्षण के अनुभव साझा किये। पक्षी सर्वेक्षण कार्यक्रम के अंत में क्षेत्रसंचालक कान्हा टाईगर रिजर्व द्वारा उद्बोधन दिया गया तथा अंत में प्रमाण पत्र प्रतिभागियों को वितरण किये गये।

पक्षी सर्वेक्षण में दिखी दो नई प्रजातियां

बताया गया कि कान्हा में कई तरह के वन क्षेत्र है, यहां साल वन, मिश्रित वन, बांस वन सहित घास के बड़े बड़े मैदान भी हैं। जिसके कारण कान्हा के जंगलों में पक्षियों की बहुत सी प्रजातियां देखने को मिलती है। कान्हा में पक्षियों की प्रजातियां अलग अलग होती हैं। कान्हा का भू दृश्य भी बहुत बड़ा है, मंडला जिला, बालाघाट जिला और छत्तीसगढ़ के क्षेत्र में इसका विस्तार होता है। बता दे कि इस बार के पक्षी सर्वेक्षण में जो नए पक्षी प्रतिभागियों को नजर आए है वे पिछले विगत वर्षों में कान्हा के जंगलों में नहीं देखे गए है।

विश्व सिकल सेल दिवस में 54 हजार 500 स्क्रीनिंग का लक्ष्य

*** सिकल सेल दिवस के लिए कार्ययोजना तैयार**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

सिकल सेल एनीमिया के उन्मूलन के लिए पूरे प्रदेश में जागरूकता कार्यक्रम के साथ इससे बचाव के लिए अभियान भी चलाया जा रहा है। इसी के अंतर्गत 19 जून को प्रति वर्ष विश्व सिकल सेल दिवस मनाया जाता है। जिसके लिए जिला स्तर पर कार्ययोजना बनाई गर्इ है। जिसमें जिला स्तर, ब्लाक स्तर पर स्वास्थ्य शिविर और एनीमिया स्क्रीनिंग, जांच प्रबंधन, काउंसलिंग एवं रोकथाम के लिए कार्ययोजना का संचालन किया जा रहा है। सिकल सेल दिवस पर कार्यक्रम आयोजित भी किये जाएंगे।

जानकारी अनुसार 19 जून को विश्व सिकल सेल दिवस मनाया जाएगा। जिसके लिए मिशन संचालक एनएचएम के निर्देशानुसार सभी जिला स्तर पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन प्रातः 09 बजे से किया जाना है। जिसके लिए जिला स्तर पर रूपरेखा तैयार कर ली गई है। मंडला कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने आयोजित वीसी में सभी विकासखंड के बीएमओ और जिला स्तर के अधिकारी, कर्मचारियों को सिकल सेल की स्क्रीनिंग के लिए लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिसमें 19 जून को 54 हजार 500 स्क्रीनिंग करने का लक्ष्य दिया गया है। जिसमें सभी आमजनों की सिकल सेल की स्क्रीनिंग की जानी है।

शिविर के लिए अधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारी

बताया गया कि जिला स्तरीय में कार्यक्रम नगरपालिका टाउन हॉल में आयोजित किया जाएगा। जिसमें स्वास्थ्य शिविर, परामर्श, जेनेटिक कार्ड वितरण, दिव्यांग सर्टिफिकेट एवं शत-प्रतिशत स्क्रीनिंग, पूर्ण पंचायतों के सरपंचों को सम्मानित किया जाएगा। स्वास्थ्य शिविर में जिला चिकित्सालय के विषय विशेषज्ञ जनरल मेडिसिन, आर्थोपिडिशियन, शिशु रोग विशेषज्ञ, फीजिओथैरेपिस्ट, काउंसलर सम्मिलित होंगे। जिसका प्रभार सिविल सर्जन को दिया गया है। स्वास्थ्य शिविर में सिकल सेल पॉजीटिव मरीजों को टेलीकंसल्टेशन के माध्यम से विशेषज्ञ सेवायें उपलब्ध कराने के लिए ऑनलाइन डेस्क तैयार की जाएगी। जिसे ग्लोकल जिला समन्वयक विपेन्द्र डेहरिया देखेंगे। स्वास्थ्य शिविर में आने वाले आम जन समुदाय को सिकल सेल स्क्रीनिंग, पीओसीटी टेस्ट एवं सॉल्यूबिलिटी टेस्ट के माध्यम से कराने के लिए लैब टेक्नीशियन की ड्यूटी लगाई जाएगी। जिसकी जिम्मेदारी सिविल सर्जन और साइंस हाउस जिला समन्वयक नीरज चौधरी की होगी। सिकल सेल पॉजीटिव मरीजों का दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने के लिए मेडिकल टीम का गठन जिला चिकित्सालय से किया जायेगा। जिसके लिए सिविल सर्जन को निर्देश दिए गए है।

बीएमओं संभालेंगे शिविर का मोर्चा

बताया गया कि कार्ययोजना के अंतर्गत शत-प्रतिशत स्क्रीनिंग पूर्ण पंचायतों के सरपंच को सम्मानित करने के लिए सूची तैयार की जा रही है। जिसके लिए सभी खण्ड चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया गया है। विकासखण्ड स्तर से पॉजीटिव मरीजों को जिला स्तरीय शिविर में लाने एवं ले जाने की जिम्मेदारी के लिए नोडल अधिकारी विकासखण्ड स्तर से तैयार किया जायेगा एवं निर्देशानुसार आवश्यक व्यवस्थायें करने के लिए सभी खंड चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए गए है। शिविर स्थल पर प्रचार-प्रसार के लिए आवश्यक आईईसी एवं फ्लेक्स प्रदर्शित करने के लिए जिला मीडिया अधिकारी और उपमीडिया अधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। पंचायत स्तर पर स्क्रींनिग कैम्प एवं कार्यक्रम का प्रसारण का आयोजन हेल्थ वेलनेस सेंटर, पंचायत भवन में सीएचओं एवं एएनएम द्वारा किया जायेगा। जिसके लिए सभी खण्ड चिकित्सा अधिकारी, सेक्टर एमओ को निर्देश दिए गए है। इसके साथ ही जिला स्तरीय शिविर में कार्यक्रम का प्रसारण वेबकास्ट के आयोजन की सम्पूर्ण जिम्मेदारी जिला एमएंडई ऑफीसर की होगी।

राजश्री के लिए पैसे ना देने पर तीन युवकों ने ढाबा संचालक को बेरहमी से पीटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/अंजनिया

अंजनिया चौकी क्षेत्र के अंतर्गत सरई टोला नरैनी मार्ग में बाईपास पर स्थित एक ढाबे से तीन युवकों को गुटखा ना मिलने पर युवकों के द्वारा संचालक को बेरहमी से पीटने का मामला सामने आया है। पुलिस ने तीनो आरोपियों को गिरफ्तार कर विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है।

जानकारी के मुताबिक बताया जाता है कि रविवार की सुबह तकरीबन 5:00 बजे एन एच 30 पर स्थित ढाबा संचालक प्रदीप झारिया पिता अर्जुन प्रसाद झारिया उम्र 32 वर्ष सो रहा था तभी तीन युवक ढाबे पर पहुंच गए और दुकानदार से गुटखा की मांग करने लगे, ज़ब दुकानदार के द्वारा गुटखा नहीं है की बात कही तो युवकों नें उल्टा ढाबा संचालक से राजश्री के लिए पैसे की मांग की गई और ऊंची आवाज में संचालक से कहा कि हमें तुम पैसे दे दो हम दूसरी दुकान से गुटखा खरीद लेंगे। जब साफ तौर पर संचालक ने इस बात की ना कर दी तो युवको नें सो रहे ढाबा संचालक को रॉड से पीट डाला। जहां गंभीर घायल अवस्था में ढाबा संचालक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां इलाज जारी है,और वह खतरे से बाहर है। अंजनिया पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार तीनों युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है जिसमें आरोपी दुलीचंद भारतीया पिता फूलचंद भारतीया उम्र 32 साल निवासी नरैनीमाल,राहुल मरावी पिता घूरो मरावी उम्र 22साल,रविंद्र मरावी पिता घूरो मरावी उम्र 19 साल निवासी नरैनी माल, को गिरफ्तार कर, धारा 294, 323, 327, 506, 34 भारतीय दंड विधान के तहत मामला दर्ज कर विवेचना कर रही है।

सिंगारपुर खैरमाई मंदिर में अखंड रामधुन कीर्तन का समापन

मण्डला। जिले के विकासखंड मोहगाँव अंतर्गत ग्राम सिंगारपुर के जगत जननी खेर माई मंदिर में गंगा दशहरा के अवसर पर अखंड रामधुन आयोजित की गई। जिसका समापन दूसरे दिन सोमवार को किया गया है। अखंड रामधुन कीर्तन कार्यक्रम में ग्राम सिंगारपुर, गोरखपुर सिमैया सहित आसपास ग्रामों के श्रृद्धालुओं का सहयोग रहा। श्रीरामधुन समापन के बाद हवन पूजन के साथ कन्या भोज और विशाल भंडारा का वितरण किया गया। विशाल भंडारा में महिला पुरुष बच्चों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की। खैरमाई मंदिर के पंडा प्रकाश पाटवेकर ने ग्राम सिंगारपुर, गोरखपुर, सिमैया सहित क्षेत्रीय धर्म प्रेमीजनों का आभार व्यक्त किया है। बताया गया कि सिंगारपुर के खैरमाई मंदिर में हर तिथि मुहूर्त व विशेष पर्वों पर धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

अनदेखी | **टिकरिया थाना अंतर्गत हो रहे अवैध काम**

हाईवे के ढाबों में परोसी जा रही शराब

*** जिम्मेदारी अधिकारी नहीं दे रहे ध्यान।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/नारायणगंज

नेशनल हाईवे मंडला जबलपुर में टिकरिया थाने के अंतर्गत आने वाले सभी ढाबों और गुमटियों में शराब परोसी जा रही है, शाम होते ही शराबियों की जमघट को ढाबों में देखा जा सकता है , वहीं दूसरी तरफ पुलिस प्रशासन खामोश बैठा है, सूत्रों की माने तो लोगों का कहना है कि पुलिस प्रशासन के कुछ कर्मचारियों को ढाबों पर बैठकर ढाबे वालों की सह बढ़ाकर उनसे मोटी रकम वसूलते है और अवैध कामों को प्रोत्साहित करते हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने लगाई थी रोक उसके बावजूद ढाबो पर बैठा कर पिलाई जा रही शराब

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आहातो को पूर्ण तरह बेन कर दिया था परंतु उसके बाद भी ढाबे तथा गुमटियों मे शराब पिलाई जा रही है,अवैध शराब खुलेआम ढाबों में बिक रही हैं, तथा पिलाई जा रही तथा शराबियों की महफिल खुलेआम जम रही जिसके चलते ढाबे वालों की मोटी कमाई हो रही है, तथा इसका कुछ हिस्सा पुलिस प्रशासन को भी जा रहा है जिसके चलते प्रशासन कोई कार्यवाही नहीं कर पा रहा है।

ढाबों में होती है डीजल पेट्रोल की तस्करी

हाई वे से लगे हुए ढाबों में टैंकरों से डीजल पेट्रोल निकाल कर ढाबे के मालिक द्वारा ख़रीदा जाता है तत्पश्चात डीजल पेट्रोल को आस पास के गाँव में बेंचा जाता है जो कि अवैध है।

टिकरिया पुलिस प्रशासन की कार्यवाही पर खड़े हो रहे सवालिया निशान

नारायणगंज जनपद क्षेत्र आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र कहलाता है इसके बावजूद इस क्षेत्र में अवैध कारोबार अपनी चरम सीमा पर नारायणगंज जनपद क्षेत्र में शराब गांजा जैसे नशीले पदार्थों की बिक्री दिन ब दिन बढ़ती जा रही है, परंतु पुलिस प्रशासन गांधारी की तरह अपनी आंखों पर पट्टी बांधे बैठा हुआ है, सूत्रों का कहना है कि पुलिस प्रशासन के कुछ कर्मचारियों को मोटी रकम मिलते ही वह अवैध कामों को नजरअंदाज करना शुरू कर देते हैं, जिसके चलते यहां का युवा बर्बाद हो रहा है , अवैध शराब खुलेआम बिक रही है तथा बैठाकर पिलाई जा रही है , परंतु देखने वाले जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारी अपनी आंखों पर पट्टी बांधे हुए है।

विविध कार्यक्रमों के साथ नमामि गंगे अभियान का हुआ समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/भुआबिछिया

शासन के निर्देश अनुसार 5 जून से 16 जून तक जल संवर्धन अभियान के तहत नगर परिषद निकाय क्षेत्र अंतर्गत विविध गतिविधियां संचालित की गई वृक्षारोपन, कुआं सफाई, तालाब का गहरीकरण, एनीकट सफाई एवं कलश यात्रा वा अन्य रचनात्मक कार्य की गतिविधियां निरंतर संचालित रही जिसके तहत मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार उज्जैन से लाइव प्रसारण आयोजित किया गया जिसका प्रदर्शन नगर परिषद् बिछिया के सभा कक्ष में किया गया साथी ही नमामि गंगे अभियान के तहत श्रमदान किए गए एवं स्व सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा निकाली गई कलश यात्रा में भी सहयोग किया गया किए गए सहयोग के लिए परिषद के निर्णय अनुसार मुख्य नगर पालिका अधिकारी लक्ष्मण सिंह सारस मार्गदर्शन एवं नोडल अधिकारी कुरैशी के निर्देश में परितोषक सम्मान समारोह आयोजित करते हुए सम्मानित किया गया किए गए रचनात्मक कार्यो से नगर में हर्ष व्यक्त किया गया नमामि गंगे अभियान समापन कार्यक्रम में यह उपस्थित रहे उपाध्यक्ष रानू रणधीर सिंह राजपूत नगर परिषद बिछिया, विकास गवले पार्षद नगर परिषद बिछिया, स्थापना प्रभारी, सचिन यादव, योजना प्रभारी सौरभ भारतीया, सहायक योजना प्रभारी, अक्षय चौधरी, लेखा प्रभारी संजय संजय सरौते राजस्व प्रभारी नारायण परते, स्वच्छता प्रभारी, प्रशन्न यादव, वाहन प्रभारी दीपक रजक, राशन कार्ड शाखा प्रभारी संत कुमार वर्मा, घनश्याम चौहान, मनोज निगम,लोकेश ठाकुर गजेंद्र यादव कपिल नंदा आशीष नंदा राजेंद्र राजपूत मनोज मोगरे उमेश राजपूत अजय, अहमद,दिलीप यादव चंद्र कुमार राजपूत एवं समस्त कर्मचारी गण एवं नागरिक गण उपस्थित रहे।

शहर में हर्षोल्लास से मनाया गया ईद का त्यौहार

मुस्लिम भाईयों ने एक दूसरे के गले मिलकर दी गई ईद की बंधाईयाँ

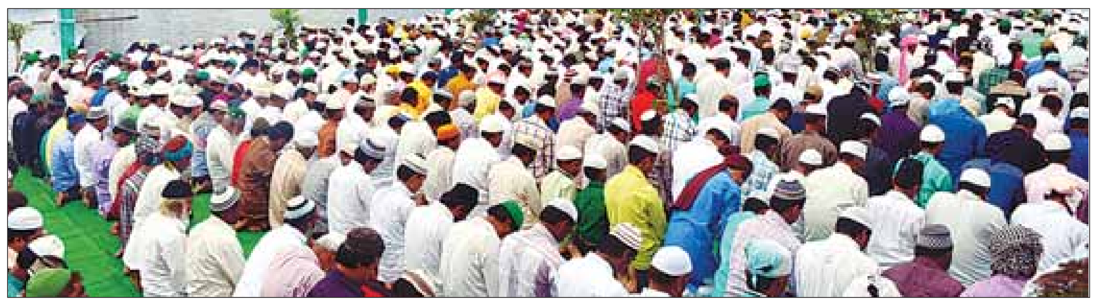

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

हमारे नगर में जिस प्रकार से सभी धर्मो के त्यौहार मिल जुलकर मनाने व एक दूसरे का सहयोग करने की जो परम्परा रही है उसी परम्परा के तहत कल सोमवार को भी मुस्लिम सामाजिक बंधुओं द्वारा ईद का त्यौहार बडे ही धूमधाम के साथ मनाया गया। ज्ञात हो कि जिस तरह सभी वर्ग के लोगों के त्यौहारों में एकता देखने मिलती है उसी प्रकार से इस वर्ष भी सामूहिक रूप से ईदगाह सहित अन्य जगहों पर नमाज अदा करते हुये एक दूसरे के गले मिलकर मुबारक वार्ड दी गई। बताया जाता है कि मुस्लिम बंधुओं के प्रमुख माने जाने वाले इस त्यौहार के मौके पर मुस्लिम बोहरा समाज बंधुओं का ईद अजहा का त्यौहार एक दिन पहले मनाने के बाद मुस्लिम समाज के ईद ज्जुल्हा यानि की बकरा ईद का त्यौहार शहर में भाईचारे व शांति मनाया गया। बताया जाता है कि बकरीद का त्यौहार कुर्बानी बलिदान का संदेश मानव जाति को देता है इसका सीधा अर्थ खुदा के बताये हुये मार्ग पर चलना होता है मुसलमानों का बेहद खुशी का त्यौहार ईद उल अजहा पर नगर के सभी लोगों ने खुशनुमा अंदाज में ईद मनाते हुये एक दूसरे के गले मिलकर खुशिया बांटते हुये सद्भावना का संदेश दिया। ईद के चलते सुबह 8 बजे से 9.30 बजे तक मस्जिदों में नमाज अदा की गई । क्योंकि इस वर्ष ईदगाह में होने वाली सामूहिक नमाज की जगह मस्जिदों मं नमाज अदा की गई जिसके चलते जामा मस्जिद नमाज आफिज जुबेर आलम साहब ने पढ़ाकर अल्लाह से वतन की खुशहाली व तरक्की व एकता भाईचारे के लिये दुआ मांग कर मुस्लिम भाईयों को संदेश दिया कि इस्लाम के बताये हुये रास्ते पर चलकर मोहम्मद मुस्ताफा सरकारे दो दो आलम की सुन्नत पर अमल करे। इस प्रकार ईदगाह में नमाज के उपरांत लोगों ने एक दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारक बाद देने के बाद मुस्लिम भाईयो ने कब्रिस्तान पहुंचकर मरहूमों के हक में दुआये की। इसके बाद पानी टंकी के पास छोटी मस्जिद में ईद की नमाज अदा की गई। वही नमाज अदा करने के बाद मुस्लिमजनों ने अल्लाह से शहर व प्रदेश तथा देश के निवासियों की खुशहाली की दुआएं मांगी गई। इसके उपरांत अपनी तकरीर में जामा मस्जिद कमेटी के पेश इमाम जुबैर आलम साहब ने मुस्लिम समुदाय की महिलाओं को सशक्त बनाने पर बल देते हुए व्यक्त किया कि बकरीद पर कुर्बानी देने की अहमियत इसलिए है कि खलील कबता पैगम्बर ने अल्लाह के प्रति जो समर्पण की जो मिशाल पेश की गई थी वह अद्भुत और प्रेरक है। इस दौरान उन्होंने कहा कि सदमार्ग पर चलते हुए मुस्लिम समाज के युवकों को माँ, बाप की खिदमत करना चाहिए और समाज की बेहरती के कामों में सहभागी बनना चाहिए। इस मौके पर जामा मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष ने जामा मस्जिद कमेटी की उपलब्धियों पर रोशनी डालते हुए कहा कि मुस्लिम भाईयों को अपने बच्चों के लिए बेहतर शिक्षा दिलाकर उनकी प्रगति का मार्ग प्रशस्त करते हुए समाज के हर वर्ग के लोगों की सेवा, सहायता करने में तत्पर रहना चाहिए, ईद के मौके पर नगर में शांति व्यवस्था बनाने के लिये उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा व नगर निरीक्षक उमेश तिवारी सहित नपा अधिकारी देशमुख सहित आलवा प्रमोद सिंह चौहान व अन्य अधिकारियों ने जहां मुस्लिम भाईयों ईदुज्जुहा की शुभकामनाएं दी। वही जामा मस्जिद कमेटी के मेहमूद पहलवान, मुस्लिम त्यौहार कमेटी के अध्यक्ष मो. मुजीब खान, अब्दुल फिरोज खान ने ईदुज्जहा पर अपेक्षित व्यवस्थाएं बनाने के लिए पुलिस, नपा प्रशासन का आभार प्रकट करते हुए हर्ष व्यक्त किया गया। बताया जाता है कि इस दौरान शहर में तहां तहां पुलिस के जवान तैनात नजर आये। सांईखेड़ा में भी हर्ष के साथ मनाई गई ईद- इसी प्रकार से समीपस्थ सांईखेड़ा में ईद के मौके पर मुस्लिम भाईयों द्वारा मौसम को ध्यान में रखते हुये ईद की नमाज अदा करते हुए एक दूसरे को ईद की बधाई दी गई। इसके आलवा हमारे सालीचौका, चीचली, खुलरी, पलोहा, कल्याणपुर, सिहोरा बोहानी, खंजारी, बनवारी प्रतिनिधियों से मिली जानकारी के अनुसार यहां पर भी ईद का त्यौहार शांति पूर्वक व शासन के निर्देशों के तहत मनाया गया। इस संबंध में जामा मस्जिद कमेटी के पूर्व अध्यक्ष मेहमूद पहलवान के अनुसार इस वर्ष पड रही भीषण गर्मी के दौर के चलते निश्चित ही लोग परेशान हो रहे है मगर संयोग से सुबह के वक्त मौसम कुछ खुशनुमा रहा जिससे ईदगाह तक लोगों को आवागमन में किसी भी प्रकार की कोई कठिनाई का सामना नही करना पड़ा है। वही मुस्लिम जनों की सुविधाओं के लिए प्रशासन की ओर से सभी व्यवस्थाएं अच्छी बनाई गई थी, वही ईद के अवसर पर गुलजार बाजार में इस बार मंहगाई ने भी खास असर नही दिखाया, जिसके कारण गरीबों, जरूरत मंदों को जकात देकर हमने उनकी आंखों में चमक लाकर उनकी ईद मनाने की खुशियाँ बढ़ाई, सचमुच इस साल ईद मनाने में भरपूर आनंद आया। वही गुड्डू भाईजान का कहना है कि हमारे नगर की परम्परा रही है कि सभी त्यौहार बड़ी धूमधाम के साथ मनाये जाते है। इसी के चलते नगर में देखा गया कि ईद के अवसर पर नगर में मुस्लिम भाईयों को सभी वर्ग के लोगों ने मिलकर ईद का त्यौहार मनाया गया और ईद की बधाई देने में कोई कसर नही छोड़ी गई, मुझे नाज है कि भाईचारे के लिए महशूर हमारे प्यार शहर में ईद का त्यौहार मिलजुलकर मनाया गया। इसी प्रकार से अब्दुल फिरोज खान बबलू का कहना है कि शासन प्रशासन की ओर से ईद पर की गई व्यवस्थाएं सराहनीय थी, जिससे उत्साह से ईद मनाने में दिक्कत नही हुई, मुझे इस बात की खुशी है कि ईद के दिन मुझे शहरवासियों की ढेरों शुभकामनाएं मिली, मुहब्बत मिली जिससे मेरे लिए इस बार ईद का त्यौहार यादगार बन गया। इसी प्रकार से मुजीब खान का कहना है कि हमारे शहर में हिन्दू, मुस्लिम त्यौहरों को सद्भाव के साथ मनाने की जो परम्परा रही है, उसी के अनुसार ईद का त्यौहार संपन्न होने की मुझे खुशी है, मुझे उम्मीद है कि आने वाले दौर में भी शहर मं ईद के समान खुशियों के रंग बिखरे रहेगे।

खबर संक्षेप

निर्मल ग्रामों की बर्बादी

सांईखेड़ा। देश को विकास और समृद्धि की ओर अग्रसर करने के लिए चलाई जा रही योजनाओं के तहत गांव को साफ सुधरा और हरा भरा बनाने की कवायद में है और इसके लिए शासन प्रशासन निर्मल ग्राम बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है, इसके लिए समय समय पर गांव को चयानित कर वहां पर लाखो करोड़ो रूपये की राशि खर्च की जा रही है जिसमें गांव के प्रत्येक परिवारो के घरो में शौचालय बनाये गये है। वही दूसरी ओर गांव में पक्की नालियां सड़क और कुडादान व जल स्त्रोतो को साफ सुधरा बनाया जाना है और इसकी देख रेख के लिए जिला स्तर पर हर ब्लाक में अलग से कर्मचारी भी नियुक्त किये गये है जिन्हे वेतन के रूप में मोटी रकम और भ्रमण करने के लिए वाहन उपलब्ध कराये गये है। लेकिन ये अधिकारी कर्मचारी आफिसों में बैठे बैठे ही योजना का संचालन कर रहे है।

बिना नम्बर के चल रहे सैकेडो टैक्ट्रर, दुर्घटना की बनी आशंका

नांदनेर/गाडरवारा। जहां एक ओर प्रशासन द्वारा क्षेत्र के अनेक जगहों पर चैकिंग प्यांट लगाकर वाहनों की चैकिंग तो की जा रही है, मगर इसके बाद भी जिस प्रकार से प्रशासन द्वारा ऐसे वाहनों को नजर अंदाज किया जा रहा है जो वर्षो से बगैर नम्बर प्लेट के दौड़ रहे है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो ट्रेक्टर क्षेत्र में रेत, मुरूम का अवैध उत्खनन लगातार हो रहा है, एक तरफ जहां कभी कभी विभाग द्वारा इस ओर कार्रवाई की जा रही है, वही अवैध उत्खनन करने वाले अपने उत्खनन के दौरान अधिकांशत रेत कोरोबारी उन ट्रेक्टरों को उपयोग में ला रहे है जिनमें नम्बर नही लिखा हुआ है।

शमशान घाट बना आसामजिक तत्वों का अड्डा

कौड़िया। जहां शासन द्वारा क्षेत्र में शांति व्यवसथा कायम रखने के लिए सभी पुलिस अधिकारियों को सख्त आदेश जारी करते हुए लगातार गस्त करने के आदेश दिये गये है। मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि पुलिस की गस्त व्यवसथा दुरूस्त न होने का परिणाम है कि ग्राम कौड़िया का शमशान घाट शाम होते ही आसामजिक तत्वों का अड्डा बन जाता है? जिसके चलते इस क्षेत्र में जहां देर रात तक शराबियों का बोलबाला रहता है? वही यहां पर अनेक रंगीन मिजाज के लोगों के एकत्र होने के कारण अनेक प्रकार के अश्लील दृश्य भी देखने मिल रहे है? जिसमें बताया जाता है कि मनचलों द्वारा कुछ बाहरी बालाओं को यहां पर आमंत्रण देते हुए पूर्णरूप से इस क्षेत्र को अपनी अश्लीलता का क्षेत्र बनाने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है? ज्ञात हो कि इस जगह से ही गाडरवारा करेली मार्ग लगा होने के कारण इस मार्ग से देर रात तक लोगों का निकलना लगा रहता है। वही दूसरी ओर महिलाओं का भी आना जाना बना रहने के कारण जब इस प्रकार के कृत्य चलते है तो यहां से निकालने वाले लोगों को जहां परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है? वही दूसरी ओर सड़क मार्ग से निकलने वाली महिलाओं के साथ भी यहां पर मौजूद रहने वाले आसामजिक तत्वों द्वारा छीटाकशी करने से नही चूकते है जिसके चलते महिलाओं को इस क्षेत्र से गुजरना दुभर होता जा रहा है? लोगो द्वारा पुलिस प्रशासन से गुहार लगाते हुए मांग की गई है कि शाम के समय शमशान घाट क्षेत्र में बिगड़ रही स्थिति को ध्यान में रखते हुए यहां पर अपनी गस्त व्यवस्था चौकस की जावे, जिससे ग्राम व क्षेत्र की शांति व्यवसथा भंग होने से बच सके।

प्लाप शो साबित हो रहा जनसुनवाई कार्यक्रम

गाडरवारा। जहां एक ओर शासन द्वारा लोगों की समस्याओं का शीघ्रता के साथ समाधान हो इसी सोच के साथ जनसुनबाई कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया था मगर देख जा रहा है कि मंगलवार को आयोजित होने वाली इस जन सुनबाई कार्यक्रम के तहत तहसील व ब्लाक पर आयोजित होने वाले जनसमस्या निवारण शिविर, लोक कल्याण शिविर मे जन समान्य की समस्याएं हल न होने के बाद शासन द्वारा जनसुनवाई कार्यक्रम बड़े जोर शोर से प्रारंभ किया गया था और शुरूआती दौर में इसका सिर्फ पुलिस विभाग को दायित्व सौंपा।

ग्रामीण क्षेत्रों में कागजों के हिसाब से तो नियुक्त हैं स्वास्थ्य कर्मी

मगर चक्कर कटते रहते है ग्रामीणजन

हरिभूमि न्यूज/मनकवारा। सरकार का प्रयास रहता है कि ग्रामण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सके। इसी के चलते क्षेत्र के अंतर्गत अनेक गांवों में अनेक शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापति किये गये है। मगर यदि ईमादारी से देखा जावे तो इन शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के अंतर्गत ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएँ चरमरा रही है। जहां एक तरफ मौसमी बीमारियों का प्रकोप है तो दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य कमी नर्स व मलेरिया वर्कर अपने मुख्यालय से गायब रहतें हुये आसानी से देखे जाते है? ऐसे में टीकाकरण सहित शासन द्वारा ग्रामीणजनों के नाम पर चलाई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं का क्या हाल होगा, शायद ही इसका किसी के पास कोई जबाव हो? वही दूसरी ओर देखा जावे तो इस समय मौसमी बीमारियों में वायलर फीवर, दस्त उल्टी, सर्दी जुकाम, घबराहट आदि के मरीजों की संख्या बढ़ रही है? उपचार के दौरान मलेरिया परीक्षण के लिए जो रक्त पाट्रिकाऐं बनाई जाती है उसका समय सीमा में परीक्षण न होने से उपचार प्रक्रिया लंबित हो जाती है। क्योंकि जब तक परीक्षण रिपोर्ट गॉंव तक पहुँचती है तब तक रोगी ठीक हो जाता है अथवा बड़े अस्पतालों में उपचार के लिए पहुँच जाता है, कुछ इसी प्रकार की सच्चाई प्रसूताओं व शिशुओं के लिए टीकाकरण में भी देखने मिलती है। जिसको लेकर बताया जाता है कि गॉंवों में प्रसूताओं को नर्से बजाय शासकीय दवाएँ उपलब्ध कराने के बाजार की दवाएँ मगवाती है जबकि गौर किया जावे तो राज्य सरकार का कहना है कि अस्पातालों के भण्डारण में सभी आवश्यक दवाएँ उपलब्ध है मगर इसके बाद भी प्रसूताओं एवं रोगियों के लिए ये दवाएँ गॉंवों में पहुँच रही है कि नही इस बात का पता नही चल रहा है कि आखिर में ग्रामीणों को मिलने वाले दबाईयाँ कहा चली जाती है? इस प्रकार से प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीणों के हितों को ध्यान में रखते हुए चलाई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की योजनाओं पर जहां प्रश्न चिन्ह लगते हुए जान पड़ रहा है? वही दूसरी ओर लोगों को ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित स्वास्थ्य केन्द्रो से लाभ नही मिलने की स्थिति में वह भटकते हुए देखे जा रहे है?

मेढ़ बंधान योजना की मलाई से लाल पड़ रहे अधिकारी व पंचायतों के जनप्रतिनिधि

शिकायतों के बाद जांच के नाम पर निभा ली जाती है मात्र औपचारिकता?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

जहां एक ओर शासन द्वारा आमजन व किसानों के हितों का ध्यान रखते हुए अनेक योजनाएं चलाकर उनका भला किया जा रहा है। मगर योजनाओं की सच्चाई पर गौर किया जावे तो वह मात्र कागजों तक ही सीमित रहते हुये नजर आ रही है, कुछ इसी प्रकार की सच्चाई ग्राम पंचायतों के माध्यम से संचालित होने वाली मेढ़ बंधान योजना में भी दिखाई पड़ रही है? बताया जाता है कि इस योजना के तहत किसानों के खेतों पर किये जाने वाले पंचायतों द्वारा मेंढ बंधान योजना मात्र कागजों तक ही सीमित होकर रहते हुए देखी जा रही है, इस बात की सच्चाई इस समय गाडरवारा तहसील के अंतर्गत आने वाली अनेक पंचायतों में आसानी से देखने मिल सकती है जहां पर पंचायतों द्वारा किसानों के खेतो पर जिस प्रकार से मेढ़ बंधान कार्य कराते हुए पैसा निकाला गया है। बताया जाता है कि शासन की मेढ़ वधान के कार्यो में जमकर अनियमितातायों जानकारियाँ मिलना अब आम बात हो चुकी है, जिसकी मलाई से जहां पंचायतों के जन-प्रतिनिधि लाल पड़ रहे है और वही अधिकारी भी काजू कतरी खाने से नही चूक रहे है? क्योंकि जहां एक तरफ शासन लाखों करोड़ों रूपये मेढ बंधान के नाम पर खर्च कर रही वही दूसरी ओर यह कार्य जनपद स्तर के अधिकारियों के सहयोग व सरपंच सचिव की कार गुजरियों के चलते यह योजना कागजों में ज्यादा शोभा बढा रही है। बताया जाता है कि बैंको में मजदूरों के भुगतान की व्यवस्था तो शासन द्वारा की गई। किंतु बैकों में ऐसे खातें भी खोले गये है जो ग्रामों के वह प्रभावशाली व संपन्न कृषक शामिल है जो कभी पंचायत द्वारा कराये जा रहे कार्यो में जाकर खड़े तक नही होते है, किंतु बैंको में सबसे पहले भुगतान इन्ही का होता है? क्योंकि अनेक पंचायतों में अधिकारियों व ग्राहक सेवा केन्द्र के नाम पर संचालित होने वाली क्यूसक बैकों के माध्यम से पंचायतों में इसी तरह गोलमाल किये किये जाने की चर्चाए लगातार सुनााई दे रही है? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो क्षेत्र की अनेक पंचायतो के रिकार्ड में मेढ बंधान के कार्य व भुगतान ऐसे कृषकों के नाम पर भी दर्ज है जिनके खेतों में मेढ़ बधान का कार्य ही नही हुआ है? यही नही इन कार्यो का मूल्यांकन भी संबंधित अधिकारी मौके पर

न जाकर जनपद में ही बैठकर कर रहे है? यदि मस्टर रोल में दर्ज नाम व पंचायतों की भुगतान पर्ची की निष्पक्ष जांच हो जाये तो सारी स्थिति अपने आप ही स्पष्ट हो जावेगी की किस तरह मेढ बंधान के कार्यो में बंदर बाट चल रह है, जिससे पंचायतों के सरपंचों सहित विभागीय अधिकारियों के चेहरा भी बेनकाब होने से नही बच पायेगे? यदि क्षेत्र की पंचातयों की सच्चाई देखी जावे तो अनेक पंचातयों में रोजगार गारंटी योजना के कार्यो में भी सैकड़ों की तादाद में फर्जी जाब कार्ड भरकर उन खातेदारों के खातों में राशि जमाकर बंदर बाट होने संबंधी शिकायत आये दिन ग्रामीणों द्वारा किये जाने के बाद भी जांच करने की जगह अधिकारियों द्वारा सरपंच सचिव से सीधे संपर्क कर संबंधित अधिकारी अपने स्वार्थ की रोटी सेक लेतें है? इतना ही नही जनचर्चाओं में तो यह तक बताया जाता है कि यदि किसी पंचायत की शिकायत हो जाती है तो अधिकारी के लिए अतिरक्त आय का दरबाजा खुल जाता है? ऐसे प्रकरण क्षेत्र की पंचायतों में आये दिन सुनने को मिलते रहते है? क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अनेक पंचायतों का हाल बेहाल है, जहां धनवान व सपन्न कृषक बैंको से मजदूर बन कर भुगतान ले रहे है और वास्तविक मजदूरो का शोषण हो रहा है, जिसे सही मायने में देखा जावे तो सरकार की अधिकांश योजनाएं कागजो में ज्यादा शोभा बढ़ा रही है? ऐसा नही है कि इसकी जानकारी संबंधित अधिकारियों को नही है, यह सब पंचायती राज की लक्ष्मी लीला अधिकारियों की मिलीभगत की ही देन का परिणाम है कि साईकिलों पर सबार होकर चुनाव लड़ने वाले अनेक पंचातयों के सरपंच चंद वर्षो में स्कार्पियों पर घूमते हुए दिखाई देने लगते है, जिसके चलते शासन की राशि का अधिकारियों की मिलीभगत के चलते बंदरबांट होते हुए दिखाई देने लगा है?

लगातार गायब हो रही सड़कों के किनारे लगी लोहे की सुरक्षा पट्टी, संबंधित विभाग से लेकर पुलिस की कार्यप्रणाली पर खड़े हो रहे सबाल?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

जिस प्रकार से क्षेत्र में आये दिन लोगों के घरों में घटित हो रही चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के साथ साथ पूर्व में हुई अनेक चोरी के मामलो में लिप्त आरोपियों को पुलिस आज तक खोजने में असफल देखी जा रही है, वही अब स्थिति इस प्रकार से देखी जा रही है कि जहां तहां फैली हुई शासकीय संपत्ति भी अब असुरक्षित दिखाई देने लगी है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय जहां तहां निर्मित हो रही सड़कों के किनारो पर सुरक्षा के हिसाब से लगाई जाने वाली लोहे की सुरक्षा पट्टी लगातार गायब होते हुए देखी जा रही है? इस प्रकार से सड़कों पर लगी हुई इन पट्टियों के गायब होने की स्थिति पर गौर किया जावे तो उनके गायब होने के बाद जो सच्चाई दिखाई दे रही है उसे देखकर यह बात स्पष्ट होने से नही चूक रही है कि इन लोहे की पट्टियों को किसी द्वारा रातो रात काटते हुए पार किया गया रहा है, क्योंकि शहर के नजदीक सड़क सड़क किनारों से गायब हो रही इन पट्टियों के चलते जहां संबंधित विभाग की भूमिका पर सबाल खडे होते हुए देखे जा रहे है तो दूसरी ओर पुलिस की कार्य प्रणाली भी चर्चा का विषय बनने से नही चूक रही है? क्योंकि प्रतिदिन पुलिस द्वारा रात्रिकालीन गस्त व्यवस्था लगाई जाती है जिसमें एक गस्त लोकल स्तर की होती है और एक गस्त संभागीय स्तर की होती है जिसमें गस्त अधिकारी संपूर्ण क्षेत्र में भ्रमण करते हुए क्षेत्र की निगरानी करता है, इसके बाद भी यह पट्टी चोरी होना निश्चित ही चिंता का विषय बना हुआ है? क्योंकि इन पट्टियों को जब कोई पार करेगा तो निश्चित ही वह किसी न किसी वाहन का उपयोग करता होगा इसके बाद भी पुलिस की नजर में न आना अनेक संदेहों का पैदा करते हुए जान पड़ रहा है, वही दूसरी ओर यदि गौर किया जावे तो इन लोहे की पट्टियों को पार करने वाले द्वारा निश्चित ही उनका विक्रय किसी न किसी कबाड़ी के पास किया जाता होगा? क्योंकि इस समय नगर में जिस प्रकार से कबाड़े का कारोबार कुलियों से लेकर खेतों में फैला हुआ है उसके चलते इस प्रकार से लोहे की सामग्री को बढ़ावा देने में कोई कसर ही छोड़ रहा है? मगर इसके इसके बाद भी इस प्रकार से कबाड़ियो के प्रति पुलिस की मेहबानी चर्चा का विषय बनते हुए देखी जा रही है।

शासकीय भूमि पर कब्जा करते हुए झोपड़ी बेचने का किया जा रहा गोरख धंधा

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस समय नगर में जहां तहां पड़ी हुई शासकीय भूमि पर जिस प्रकार से अतिक्रमण हो रहा है उसे देखकर यह जान पड़ने लगा है कि शायद प्रशासन द्वारा अपनी आंखे बंद करते हुए अतिक्रमण कारियों को मौन स्वीकृति प्रदान कर दी गई है जिसके चलते लोगों द्वारा खुलेआम शासकीय भूमियों पर अपनी झोपड़ी नुमा टपारियाँ बनाते हुए उन्हें चंद रूपयों में बेचकर दूसरे जगह स्थापित हो रहे है? इस संबंध में बताया जाता है कि नगर के अनेक वार्डो में जहां शासकीय भूमि पड़ी हुई है जिस कुछ बाहरी लोगों द्वारा नगर में आकर रातो रात अपनी झोपड़ी नुमा टापरियों का निर्माण कर लिया जाता है जिनमें कुछ दिनों तक वह निवास करते है और इसके बाद चंद रूपयों में अन्य दूसरे बाहरी व्यक्ति को बेचते हुए खाली पड़ी हुई अन्य शासकीय भूमि पर रातो रात कब्जा करते हुये अपनी झोपड़ी का निर्माण करने के साथ शासकीय संपत्ति को अपने कब्जे में करने से नही चूकते है? इस प्रकार की सच्चाई के चलते जहां नगर की शासकीय भूमि तो अतिक्रमण की भेंट चढ़ ही रही है। वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि दूसरे क्षेत्रों से आये हुए लोगों द्वारा नगर में जहां तहां झोपड़ी बनाते हुए किये जा रहे गोरखधंधे के चलते अन्य अपराध भी जन्म ले रहे है? बताया जाता है कि जब यह लोग क्षेत्र के किसी गांव या फिर दूसरे शहर से आकर यहां पर झोपड़ियों का निर्माण करते हुए उनमें निवास करने लगते है तो प्रशासन द्वारा इनकी कोई खोज खबर नही ली जाती है कि आखिर में यह लोग यहां पर कहा से आये है और क्यों आये है तथा इनके द्वारा जिस भूमि पर अपनी झोपड़ी का निर्माण किया गया है वह जगह सही मायने में है किसकी ? इस प्रकार से प्रशासन की उदासीनता के चलते जहां नगर की शासकीय भूमि अतिक्रमण में भेंट तो चढ़ ही रही है, वही दूसरी ओर इन लोगों द्वारा शासकीय भूमि को अपनी बताते हुए अपने रिस्तेदार या फिर किसी गांव के व्यक्ति को चंद रूपयों में बेचकर दूसरी जगह खाली पड़ी हुई शासकीय भूमि पर पुनः नई झोपड़ी स्थापित कर ली जाती है, जिसके चलते देखा जावे तो नगर के पिछड़े हुए इलाकों में लगातार बाहरी लोगों की फौज बढ़ती ही चली जा रही है और प्रशासन के साथ साथ पुलिस भी बेखबर है? यदि पुलिस व प्रशासन द्वारा सयुंक्त रूप से अभियान चलाते हुए नगर में बाहरी लोगों द्वारा बनाई गई झोपड़यिों की जांच की जावे तो उनमें निवास करने वाले अनेक बाहरी लोग इस प्रकार के सामने आ सकते है जो अपने अपने क्षेत्र में अपराधों से जुड़े हुए निकल सकते है? क्योंकि इस प्रकार के लोगों द्वारा झोपड़ियों का निर्माण करते हुए जब नगर में किसी अपराधिक घटना को अंजाम देते हुए गायब हो जाते है तब कही पुलिस व प्रशासन द्वारा उनकी खोज खबर की जाती है तो पता चलता है कि जिस जगह वह निवास कर रहे है उनकी झोपड़ी तो काफी समय से बंद पड़ी हुई है या फिर उनके द्वारा किसी अन्य दूसरे व्यक्ति को बेचकर गायब हो गये है जिसके चलते फिर पुलिस द्वारा अपराधियों को सिर्फ खोजती ही रहती है?

रेल्वे स्टेशन क्षेत्र में घंटों तक दुकानों के सामने खड़े रहते हैं आटो, आमजनों को करना पड़ता है परेशानियों का सामना

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। अक्सर देखा जाता है कि जब जिले या फिर स्थानीय स्तर पर कोई पुलिस अधिकारी आता है तो वह नगर में आने के उपरांत यहां की बिगड़ी हुई यातायात व्यवस्था को देखकर उसे सुधारने के लिए अपनी तरफ से पूरा भरोसा दिलाते हुए यह बात कहने से नही चूकता है कि इस नगर की सबसे बड़ी समस्या यातायात है जिसे सुधारने में वह कोई कसर नही छोड़ेगे और चंद दिनों में पटरी से उतरी हुई यातायात व्यवस्था को वह सुधार कर रहेगे? मगर पता नही कि उन्हें इस नगर का पानी पीने के बाद जब उस पानी का असर होता है तो वह चंद दिनों के उपरांत अपने द्वारा ही कहे जाने वाले शब्दों को पूर्ण रूप से भूलकर जिस स्थिति में चल रही शहर की बदहाल यातायात व्यवस्था को सुधराना ही भूल जाते है? मगर इस बात कुछ दिन बीत जाने के बाद भी सुधार होते हुए कही दिखाई नही देता है। क्योंकि नगर की यातायात व्यवस्था की सच्चााई आज भी जहां की तहां बनी हुई दिखाई दे रही है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो नगर के प्रमुख स्थल स्टेशन के समीप गौर किया जावे तो यहां पर यदि आटों चालकों की मनमानी इस प्रकार से हावी है कि जिसके चलते स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है कि स्टेशन पहुंचने वाले मार्ग पर आटों चालकों का जिस प्रकार से मुख्य सड़क पर कब्जा रहता है कि आम वाहन चालकों की बात तो दूर पैदल तक लोगों का निकलना भी मुश्किल हो जाता है। बताया जाता है कि अनेक आटों चालक स्टेशन से मुख्य नगर की ओर आने वाले मार्ग पर लगी हुई दुकानों के सामने अपने आटों इस प्रकार से काफी समय तक खड़े करे रहते है जिसके चलते संपूर्ण सड़क पर जाम की स्थिति बन जाती है, इस स्थिति में ट्रेन पकड़ने के लिए दो पाहिया वाहनों या फिर पैदल जाने वाले रेल यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होते हुए देखा जाता है और स्थिति खराब उस समय और अधिक हो जाती है जब किसी ट्रेन के आने या फिर जाने का समय होता है जिसके चलते जब आम यात्रियों को ट्रेन पकड़ने के लिए किसी महिलाओं व अन्य परिजनों को दो पाहिया या चार पाहिया वाहन से लेकर जा रहे होते है उस समय मुख्य सड़क पर घंटों तक खड़े रहने वाले इन आटों के चलते ट्रेन पकड़ने के लिए जाने वाले आम लोगों के वाहनों का यहां से निकलना मुश्किल हो जाता है।

खबर संक्षेप

रामसागर सरोवर को बनाया गया जनाकर्षक

अनूपपुर। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल संरचनाओ को सहेजने के लिए राज्य शासन द्वारा चलाए गए अभियान के दिशा निर्देशों के अनुरूप कलेक्टर आशीष वशिष्ठ के मार्गदर्शन में नगर पालिका अनूपपुर द्वारा वार्ड नंबर 15 पुरानी बस्ती स्थित रामसागर सरोवर की साफ सफाई के साथ ही सरोवर के परिसर को सौंदर्य पूर्ण बनाया गया है। नगर पालिका अनूपपुर के वार्ड क्रमांक 15 पुरानी स्थित रामसागर सरोवर के घाट एवं सीढियो का रंग रोगन कर जन आकर्षक बनाया गया है। इसी तरह नगर पालिका अनूपपुर द्वारा शिव मारुति मंदिर सामतपुर तालाब को आकर्षक बनाने जिला प्रशासन की पहल पर आवश्यक कार्य कराए जा रहे हैं सामतपुर सरोवर में फाउंटेन की स्थापना सौंदर्यीकरण का हिस्सा है।

बेलगांव के धनमत को मिली कपिलधारा कूप की सौगात

अनूपपुर। जिले के जनपद पंचायत कोतमा के ग्राम पंचायत बेलगांव के ग्राम कनई टोला निवासी धनमत सिंह पति कोमल सिंह को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी स्कीम(मनरेगा) के तहत कपिलधारा कूप निर्माण का कार्य जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत पूर्ण होने पर हितग्राही धनमत सिंह ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने बताया कि मनरेगा के तहत कपिलधारा कूप निर्माण से जहां एक और उनके निस्तार की पूर्ति होगी वहीं दूसरी और वह अपने उद्यानिकी गतिविधि कर स्वरोजगार में वृद्धि कर सकेंगे उन्होंने कपिलधारा कूप निर्माण पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए राज्य सरकार के मुखिया मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के प्रति हृदय से कृतज्ञता जाहिर की है।

तालाब व सरोवर से निकली गाद से बड़ी संख्या में लाभान्वित हुए कृषक

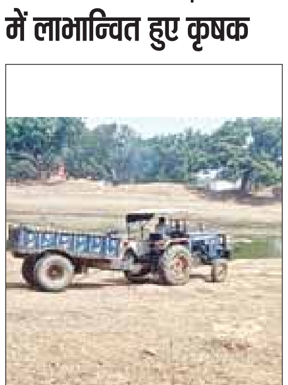

अनूपपुर। जिले में जल संरचना के संरक्षण और संवर्धन के लिए वर्षा ऋतु के पूर्व जीर्णोद्धार, मरम्मत तथा रंग रोगन व गाद निकासी आदि कार्य राज्य शासन के निदेर्शानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किए गए हैं। जिले में कलेक्टर आशीष वशिष्ठ के दिशा निदेर्शानुसार जल स्त्रोतों से निकाली गई शील्ड (गाद) निकासी से कृषक बड़ी संख्या में लाभान्वित हुए कृषकों ने तालाब तथा सरोवरों से निकले गाद को अपने ट्रैक्टर के माध्यम से जल स्त्रोत से अपने खेतों में डलवाया जो खेत की उर्वरता बढ़ाने का कार्य करेगा। जल संरचना से गाद के रूप में निकली गई मिट्टी जो कृषि कार्य में उर्वरता का कार्य करती है कृषकों को निःशुल्क ग्रामीण एवं नगरीय निकायों द्वारा प्रदान किया गया।

यात्री वाहनों के सुचारु आवागमन हेतु मार्ग परिवर्तित

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। 19 जून को जिला मुख्यालय मे आयोजित कार्यक्रम में उप राष्ट्रपति, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री का आगमन प्रस्तावित है। यातायात पुलिस डिण्डौरी की एडवाईजरी डिंडोरी से जबलपुर की ओर आने-जाने वाले समस्त वाहन स्वामियों के लिए विशेष सूचना जारी की गई है।

जिसमें काफी अधिक मात्रा में व्हीव्हीआईपी, व्हीआईपी, जनप्रतिनिधि, पत्रकार बन्धु एवं आम जनता के आने की संभावना है। आम जन समाज की सुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुए दिनांक 19 जून 2024 को प्रातः 5.00 से कार्यक्रम समाप्ति तक डिंडोरी से जबलपुर आने जाने वाले समस्त वाहनों के लिए चंद्र विजय कॉलेज वाले मार्ग से वाहनों का प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा।

यात्री वाहनो के लिये मार्ग परिवर्तित

डिंडौरी से जबलपुर आने-जाने वाले वाहन मंडला स्टैंड, राय सिटी, औरई तिराहा होते हुए बायपास रोड से बड़ा सुबखार वाले मार्ग का उपयोग करेंगे अथवा जोगी टिकरिया से मुड़की होते हुए बेनीबारी वाले मार्ग का उपयोग करेंगे। जबलपुर से मंडला एवं अमरकंटक की ओर आने-जाने वाले वाहन बड़ा सुखखार वाले मार्ग से होते हुए बायपास रोड, औरई तिराहा से होते हुए बायपास वाले रोड का उपयोग करेंगे अथवा जोगी टिकरिया से मुड़की होते हुए बेनीबारी वाले मार्ग का उपयोग करेंगे।

डिण्डौरी से अनूपपुर की ओर आने जाने वाले वाहन मुडकी तिराहा से होते हुये बेनीबारी वाले मार्ग का उपयोग करेंगें।

-लोकल (शहर) की व्यवस्था

साकेत नगर, हंसनगर, देवरा, मुडकी तरफ से पुरानी डिण्डौरी तरफ आने-जाने वाले वाहन नर्मदा पुल, डेम घाट, शांतिनगर, पुलिस लाईन, कलेक्ट्रेड तिराहा होते हुये पुरानी डिण्डौरी वाले मार्ग का उपयोंग करेंगें। मुख्य मार्ग में प्रवेश वर्जित रहेगा। सुबखार, ईमलीकुटी, शंकर घाट तरफ से पुरानी डिण्डौरी तरफ आने-जाने वाले वाहन शंकर घाट, डेमघाट, शांतिनगर, पुलिस लाईन, कलेक्ट्रेड तिराहा होते हुये पुरानी डिण्डौरी वाले मार्ग का उपयोंग करेंगें। मुख्य मार्ग में प्रवेश वर्जित रहेगा।

सिविल लाईन, कस्तूरबा कन्या शाला से पुरानी डिण्डौरी तरफ आने-जाने वाले वाहन राजूषा स्कूल, मण्डला स्टेण्ड होते हुये पुरानी डिण्डौरी वाले मार्ग का उपयोंग करेंगें। मुख्य मार्ग में प्रवेश वर्जित रहेगा।

विद्युत चोरी के प्रकरणों में दो आरोपियों को हुई जेल

अनूपपुर। विद्युत विभाग अनूपपुर के द्वारा विद्युत चोरी रोकने की गई चेकिंग मे पंचनामा कार्यवाही करते हुये पंचनामा की बिलिंग राशि जमा करने हेतु कई बार उपभोक्ताओं को नोटिस दिया जाता है, परंतु कुछ उपभोक्ताओं द्वारा इस पर ध्यान न देते हुये राशि जमा नही की जाती। यहां तक कि प्रीलिटिगेशन का नोटिस भी उपभोक्ताओं को दिया जाता है जिस पर भी उपभोक्ता ध्यान नही देते तो विद्युत विभाग द्वारा जिला न्यायालय मे बकायादार विद्युत चोरी के उपभोक्ताओं के विरूद्ध विशेष न्यायालय (विद्युत अधिनियम अनूपपुर) मे परिवाद पेश किया जाता है। परिवाद पेश होने के पश्चात भी अभियुक्त की उपस्थिति हेतु सम्मन/ जमानती वारंट जारी होता है जिसके तामील

उपरांत अभियुक्त को न्यायालय मे उपस्थित होकर विद्युत चोरी की परिवादित राशि जमा करनी होती है। कुछ ऐसे अभियुक्त होते हैं जो इस पर भी ध्यान नही देते, उनका विशेष न्यायालय द्वारा गिरफ्तारी वारंट काटा जाता है। इसी तारतम्य मे न्यायालय द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट के पालन मे थाना चचाई द्वारा ग्राम मानपुर के अभियुक्त रामलाल चौधरी विशेष प्रकरण क्रमांक 251/2022 विद्युत चोरी की बकाया राशि 3754 रुपए जमा न होने के कारण तथा दूसरे प्रकरण मे थाना अनूपपुर द्वारा ग्राम पिपरिया के श्यामदीन पटेल विशेष प्रकरण क्रमांक 311/2021 विद्युत चोरी की बकाया राशि 14270 रुपए थी जिसमे दोनों आरोपियों को पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर न्यायालय मे पेश किया गया। 16 जून रविवार को रिमांड ड्यूटी पर न्यायालय मे माननीय अंजली शाह न्यायाधीश द्वारा उक्त दोनों आरोपियों को जेल वारंट बनाकर जेल भेज दिया गया है। उक्त दोनों आरोपियों के जेल जाने से बिजली चोरों मे दहशत व्याप्त है।

प्रदेश भाजपा की बैठक संपन्न

-29 कमल फूलों से किया जिलाध्यक्ष अवध राज ने स्वागत

हरिभूमि न्यूज डिण्डोरी। भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश की बैठक आहूत की गई। बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष अवध राज बिलैया ने 29 लोकसभा सीट जीतने पर 29 कमल की माला पहनाकर प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा का स्वागत किया एवं समीक्षा में बताया कि विगत कई वर्षो से डिंडोरी विधानसभा बीजेपी की जीत से अछूता रहा है इस बार के लोकसभा चुनाव में इसे ध्वस्त कर डिंडोरी विधानसभा लोकसभा चुनाव में जितने में अहम भूमिका निभाई है। भाजपा प्रदेश कार्यालय, भोपाल में राष्ट्रीय सह-संगठन महामंत्री शिवप्रकाश जी, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, लोकसभा चुनाव प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह व सह प्रभारी सतीश उपाध्याय, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, उप-मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा व राजेन्द्र शुक्ला ने लोकसभा चुनाव की समीक्षा बैठक की। इस दौरान प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी एवं लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति के प्रदेश संयोजक श्री हेमंत खण्डेलवाल समेत, डिंडोरी से भाजपा जिला अध्यक्ष अवध राज बिलैया, मंडला लोकसभा चुनाव सहसंयोजक पंकज सिंह तेकाम सहित चुनाव प्रबंधन समिति के सदस्य, लोकसभा प्रभारी, लोकसभा संयोजक, जिला प्रभारी एवं जिला अध्यक्ष उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित हुई प्रेसवार्ता

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विश्व सिकल सेल एनीमिया रोकथाम के संबंध में प्रेसवार्ता आयोजित की गई। उक्त बैठक में एसडीएम डिंडौरी रामबाबू देवांगन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रमेश मरावी, सीईओ जनपद पंचायत डिंडौरी निखिलेश कटारे जनसंपर्क अधिकारी चेतराम अहिरवार सहित जिले के समस्त पत्रकारगण एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी के साथ साथ मौजूद रहे।

कलेक्टर विकास मिश्रा ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन के द्वारा जिला स्तरीय सिकल सेल स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रम का आयोजन शासकीय चन्द्रविजय महाविद्यालय डिंडौरी के मैदान में 19 जून 2024 को 11 बजे आयोजित होने जा रहा है। उक्त समारोह के मुख्य अतिथि देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ एवं साथ में मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल एवं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, स्वास्थ्य मंत्री, ग्रामीण विकास मंत्री, आयुष विभाग के मंत्री एवं अन्य शामिल होने की संभावित है।

कलेक्टर ने बताया कि इस समारोह में प्रदर्शनी स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, जनजाति कार्य विभाग, आयुष विभाग की प्रदर्शनी लगाई जा रहीं है। गर्मी को देखते हुए आपालकालीन स्वास्थ्य केन्द्र महाविद्यालय के एक कमरे में बनाया गया है।

जिला प्रशासन सिकल सेल की रोकथाम हेतु जिले के प्रत्येक विकासखंड स्तर पर प्रत्येक शनिवार को गांव गांव में स्वास्थ्य रेवा कैंप के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत आम लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर सिकल सेल के चिन्हित लोगों को इलाज उपलब्ध मुहैया कराया गया है। साथ ही साथ जिले में संचालित शैक्षणिक संस्थाओं में अध्यनरत 10वीं और 12वीं में छात्र-छात्राओं के माध्यम से निबंध प्रतियोगिता, चित्रकला, रंगोली प्रतियोगिता एवं बैगाचक क्षेत्र में वन्या रेडियो के माध्यम से सिकिल सेल एनीमिया में जन जाग्रति एवं लोगों में बीमारी के प्रति जागृत करने का प्रयास किया गया है।

उद्देश्य- विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर होने वाले इस महासमारोह का उद्देश्य है कि इस आदिवासी क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में निवासरत आम लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागृति लाने के उद्देश्य से चन्द्रविजय महाविद्यालय में सिकिल सेल के संबंध में मेगा सिकिल स्वास्थ्य कार्यक्रम का आयोजन होने जा रहा है। जिससे लोगों में सिकिल सेल के प्रति जनजागृति एवं उससे बचाव रखने की प्रेरणा मिलेगी। एनीमिया को मुख्य रूप से रोकना महिला पुरूष की शादी ब्लड चेक कर, माता पिता का ब्लड चेक कर एवं सिकिल सेल अनुवांशिक बीमारी होने के कारण इसे रोकना अति आवश्यक है।

कलेक्टर ने बताया कि यह बीमारी एक अनुवांशिक बीमारी है यदि माता पिता दोनों में सिकल सेल के जीन है तो बच्चों में इस बीमारी का होना स्वाभाविक है। यह बीमारी किसी भी जाति, धर्म एवं लिंग के व्यक्ति को हो सकती है। इस बीमारी में रोगी की लाल रक्त कोशिका हॅसिए के आकार में परिवर्तित हो जाती है। हँसिए के आकार का यह कण शरीर के विभिन्न अंगों में पहुंचकर रूकावट पैदा करते है। इस जन्म जात रोग से ग्रसित बच्चा शिशु अवस्था से बुखार, सर्दी, पेट दर्द, जोडो व घुटनों में दर्द सूजन और कभी रक्त के कमी से परेशान रहते है।

सिकल सेल एनीमिया से ग्रसित मरीजों में कुछ इस प्रकार के लक्षण दिखाई देते हैं जैसे एनीमिया ध्खून की कमी होना, हल्का पीलिया होने से बच्चें का शरीर पीला दिखाई देता है, तिल्ली का बढ़ जाना, पेट एवं छाती में दर्द होना, सांस लेने तकलीफ होना, हड्डियों एवं जोडो में विकृतियां होना, पैरों में अल्सरध्घाव होना, हड्डियों में और जोंडों में सूजन के साथ अत्याधिक दर्द होना, मौसम बदलने पर बीमार पडना, अत्यधिक थकान होना आदि।

सिकल सेल रोगी को चिन्हित होने के पश्चात अपने नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र से निःशुल्क दवाईयां प्राप्त करें। उन्होंने बताया कि जिले के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में सिकल सेल रोगियों के लिए केपसूल हाइड्रोक्सी यूरिया, टेबलेट फॉलिक एसिड, दर्द निवारक दवा, ब्लड ट्रान्फयूजन, बोन-मेरो ट्रांसप्लांटेशन आदि दवाईयां उपलब्ध कराई गई हैं।

7 लाख कीमती 9 बाइक बरामद, शहपुरा पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में किया पेश

हरिभूमि न्यूज डिंडोरी। सोमवार को शहपुरा पुलिस ने बाइक चोर गिरोह के चार आरोपियों को दबिश देकर गिरफ्तार किया है।आरोपियों से सात लाख कीमती 09 बाइक भी बरामद कर ली है। चारों आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया।

तीन महीने से लगातार हो रही थी बाइक चोरी की घटना

शहपुरा थाना प्रभारी शिवलाल मरकाम ने बताया क्षेत्र में पिछले तीन महीने से बाइक चोरी की घटना बढ़ गई थी।शिकायत के बाद टीम गठित की गई।सूत्रों से मिली जानकारी के बाद ऋषि पिता लाला राम बरमैया निवासी वार्ड क्रमांक01,राजा उर्फ दीपक मंदिर वार्ड क्रमांक 01,अंकित झरिया पिता द्वारका झरिया निवासी पिपराड़ी,लोकेंद्र उर्फ रुद्राज झरिया निवासी पिपराडी से पूछताछ की गई।इसके बाद आरोपियों ने बाइक चोरी करना कबूल कर लिया।आरोपियों के बताए गए ठिकानों से लगभग सात लाख कीमती 09 बाइक भी बरामद कर ली गई है।इस कार्यवाही में ए एस आई मुकेश बैरागी,नंद किशोर ,चेतराम,प्रधान आरक्षक आदित्य शुक्ला,प्रवीण अवस्थी,आरक्षक भरत कुशवाह,अभिषेक पांडेय मौजूद रहे।

सूवेनियर डिजाइन वर्कशॉप का हुआ शुभारंभ

अनूपपुर। मध्यप्रदेश टूरंज्म बाड और जिला प्रशासन अनूपपुर के सामूहिक प्रयास अब रंग ला रहे हैं। जिले के हस्तशिल्पियों द्वारा बनाए जाने वाले सूवेनियर उत्पादों की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए छोटे और आकर्षक उत्पाद बनाने पर्यटन ग्राम बीजापुरी नंबर 01 में आवासीय सूवेनियर डिजाइन वर्कशॉप का शुभारंभ ग्राम की सरपंच श्रीमति सुभद्रा मरावी के द्वारा सभी ग्रामवासियों, कलाकारों एवं जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद अनूपपुर से पर्यटन प्रबंधक अजय अग्रवाल की उपस्थिति में किया गया। कार्यशाला में डिंडोरी जिले के आर्ट विलेज पाटनगढ़ के आर्टिस्ट, समनापुर के लौह शिल्पी, और मंडला जिले के ग्राम पिंडरई से खजूर की पत्तियों से कलाकृतियां बनाने वाले आर्टिस्ट भी शामिल हुए हैं। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा एनडीबीआई एनआईडी अहमदाबाद के प्रोफेशनल डिजाइनर्स की टीम को प्रशिक्षण का जिम्मा सौंपा गया है जिसका उद्देश्य इस तरह के छोटे और हल्के सोवेनियर्स तैयार करना है जो आसानी से पर्यटकों के छोटे बैग में रखे जा सकें।

केकरपानी पहुंचे दो दन्तैल हाथी, ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह

निगरानी मे वन विभाग सक्रिय, जिला प्रशासन भी अलर्ट मोड पर

अनूपपुर। विगत दो दिनों पूर्व छत्तीसगढ़ राज्य के मरवाही वन परिक्षेत्र के शिवनी बीट से दो दन्तैल हाथी एक बार फिर से छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा पार कर मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले के जैतहरी तहसील एवं वन परिक्षेत्र के बीट तथा राजस्व ग्राम चोलना में प्रवेश कर रात भर विचरण करते हुए रविवार के दिन धनगवां के जंगल में पूरे दिन विश्राम करने बाद देर शाम को जंगल से निकलकर पटौरा एवं क्योटार के पटपरिया नाला से कुसुमहाई, टकहुली के गर्जनटोला से होते हुए रात 9:30 बजे जैतहरी से गुवारी मुख्य मार्ग को पार कर मोजर बेयर के गेट नंबर 5 के पास से गुजरते हुए गोबरी के तिपान नदी के समीप रहने वाले मुकेश राठौर, पूरन सिंह के बाड़ी एवं खलिहान में अनाज, सब्जी खाते हुए बडवार नाला पार कर पंगना गांव के जल्दा बांध के पास मंगल पिता जीवन सिंह, पप्पू पिता सुरेश सिंह, बबलू पिता सुरेश सिंह के घरों एवं झोपड़ियों को तोड़कर अंदर रखे धान एवं अन्य अनाजों को अपना आहार बनाते हुए वन परिक्षेत्र जैतहरी के गोवरी बीट अंतर्गत कक्ष क्रमांक 302 कुन्ना कोल के घर के पास से वन विभाग की फेंसिंग बाउंड्री तोड़कर जंगल के अंदर कुछ देर ठहरने बाद वन परिक्षेत्र अनूपपुर के दुधमनिया बीट अंतर्गत कक्ष क्रमांक पीएफ 358 केकरपानी गांव के कुल्लूगढई, छूलापानी तालाब के जंगल में चतुर सिंह, परसू सिंह के घर के समीप विचरण कर रहे हैं। जंगल के अंदर तेंदू एवं अन्य तरह के पेड़ों को तोड़ते हुए तथा विभिन्न तरह की घास को अपना आहार बना रहे हैं।

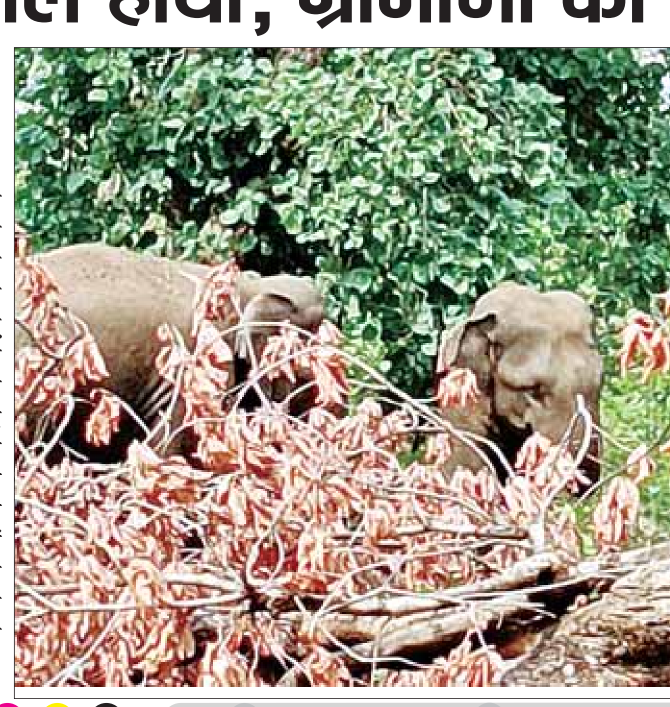

निगरानी मे वन विभाग सक्रिय

दोनों हाथियों ने विगत रात लगभग 20 किलोमीटर का रास्ता तय करते हुए सुबह केकरपानी के जंगल में पहुंचे हैं हाथियों के आने तथा विचरण करने पर जिला प्रशासन के द्वारा अलर्ट किया गया है वही वन विभाग के द्वारा हाथियों के आबादी वाले क्षेत्र में प्रवेश करने से रोकने हेतु विभिन्न तरह के उपाय ग्रामीणों के सहयोग से किए जाने पर हाथियों का समूह आबादी वाले ग्रामीण अंचलों में प्रवेश न करते हुए गांव के किनारे से विचरण करता हुआ दूसरे दिन केकरपानी में विश्राम कर रहा है। जिला प्रशासन एवं वन विभाग ने हाथी प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीणो,जन प्रतिनिधियो को हाथियों के समीप समूह बनाकर ना जाने, उन्हें परेशान न करने तथा प्राकृतिक रूप से विचरण करने देने की सलाह दी है। प्रशासन एवं वन विभाग ने आबादी वाले क्षेत्रों में हाथियों के प्रवेश की संभावना को देखते हुए वन विभाग, पुलिस विभाग को समुचित कार्यवाही करने के हेतु निर्देशित किया है विगत रात हाथियों के विचरण पर वन परिक्षेत्र अधिकारी जैतहरी विवेक मिश्रा, परिक्षेत्र सहायक जैतहरी आरएस सिकरवार, परिक्षेत्र सहायक वेंकटनगर रामसुरेश शर्मा जैतहरी थाना प्रभारी पीसी कोल, वन्यजीव संरक्षक अनूपपुर शशिधर अग्रवाल, अनूपपुर कोतवाली थाना के सहा उपनिरीक्षक संतोष कुमार वर्मा के साथ वन विभाग के वनरक्षक सुरक्षा श्रमिको के साथ हाथी प्रभावित क्षेत्र के ग्राम पंचायत के सरपंच, जनप्रतिनिधियो के अलावा आने को ग्रामों के ग्रामीण भारी संख्या में हाथियों के निगरानी में पूरी रात लग रहे हैं, जिससे विगत दो दिनों के मध्य किसी भी तरह की कोई अप्रिय घटना नहीं हो सकी है।

अनूपपुर में ट्रेन के इंजन बदलने में लगते हैं घंटे भर का समय

अनूपपुर। रेलवे स्टेशन में बिलासपुर से चलकर चिरमिरी जाने वाली 18257 ट्रेन अनूपपुर पहुंचने के बाद इंजन बदलने में रेलवे विभाग को घंटे भर लग जाते हैं। उसी तरह दुर्ग से चलकर अंबिकापुर जाने वाली अभी ट्रेन 18241 का अनूपपुर में इंजन बदलने में रेलवे विभाग को 1 घंटे का समय लग जाता है। ट्रेन रवाना होते-होते सवा घंटे विलंब से यह ट्रेने अनूपपुर से चलती है। जिससे सुबह गंतव्य में पहुंचने पर आगे की यात्रा करने से लिए साधन नहीं मिल पाता है। जिससे कई घंटे यात्रियों को बिजुरी, मनेंद्रगढ़, चिरमिरी, बैकुंठपुर रोड, सूरजपुर, अंबिकापुर में परेशान होना पड़ता है। महीने भर से इन दोनों ट्रेनों का अनूपपुर जंक्शन से यही हाल है। कभी कभार टाइम से अनूपपुर से गाड़ी छूट जाती है, अन्यथा एक सवा घंटा, डेढ़ घंटे तक का अनूपपुर रेलवे स्टेशन में इंजन बदलने में समय लग जाता है। ट्रेन के लेट लतीफी के चक्कर में सुबह शिफ्ट में ड्यूटी पर जाने वाले कर्मचारी की अब्सेंटी भी हो जाती है।

खबर संक्षेप

शंकराचार्य जी महाराज झोतेश्वर हुआ आगमन

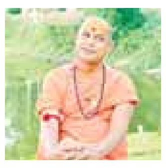

नरसिंहपुर । विगत दिवस पश्चिमाम्नाय द्वारकाशारदापीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री सदानन्द सरस्वती जी महाराज श्री परमहंसी गंगा आश्रम आगमन हो हुआ। शिष्य मंडल द्वारा बताया गया कि महाराज श्री 25 जून तक परमहंसी में रहेंगे एवं 23 जून को गाडरवारा एक दिवसीय कार्यक्रम में पहुंचेंगे। महाराज श्री द्वारा भक्तों को प्रतिदिन दर्शन व उपदेश दिये जा रहे है।

श्रवण संस्कृति संस्कार शिविर का आयोजन

नरसिंहपुर । कंदेली जैन मंदिर जी में श्रवण संस्कृति संस्कार शिविर का आयोजन किया जिसमें सांगानेर से आए हुए भैयाजी ने संस्कार शिविर के महत्व ओर संस्कार को आचरण में लाने के लिये उपस्थित श्रावकों से आव्हान किया। इसमें महिलाओं को इंस्टोपदेश पढ़ाया एवं बच्चों को भाग 1 भाग 2 की शिक्षा दी गई गया जिसमें बड़े जैन मंदिर नरसिंहपुर की महिलाओं एवं बच्चों ने जाकर भाग लिया । उसके तत्पश्चात आखिरी दिन बच्चों एवं महिलाओं को प्रमाण पत्र एवं गिफ्ट प्रदान किए गए।

पानी के भीतर से किया जा रहा रेत का उत्खनन

नरसिंहपुर। प्रदेश सरकार द्वारा नर्मदा नदी को जीवित इकाई का दर्जा दिया गया और इसके बाद भी नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले बेलखेड़ा में जल के अंदर मशीन लगाकर रेत का अवैध खनन लगातार जारी है जिससे पर्यावरणीय स्वरूप बिगड़ने के बाद कारवाई की जाने की शासन प्रशासन से अपेक्षा की जाती रही है। इन फोटो को देखने के बाद लगता है कि जिले में बैठे अधिकारी इन सब से आंख मूंदें बैठे है। वैसे भी 15 जून के बाद से जिले की रेत खदानों पर रेत खनन पर प्रतिबंध लग गया है बावजूद इसके जिस तरह से जल के अंदर से मशीन लगाकर रेत खनन किया जा रहा है यह मां नर्मदा के पर्यावरणीय स्वरूप सहित अवैध खनन किये जाने पर वृहद कार्रवाई की अपेक्षा आम जनों द्वारा लगातार की जा रही है ।

महिला ने किया जहरीली वस्तु का सेवन

नरसिंहपुर । गत दिवस महिला द्वारा जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया गया । पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रश्मि पति राकेश रजक उम्र 33 बर्ष निवासी काशीखैरी थाना सुआतला द्वारा अज्ञात कारण से घर पर ही जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया गया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

सड़क दुर्घटना में व्यक्ति घायल

नरसिंहपुर । गत दिवस उसरी के पास हुई सड़क दुर्घटना मे व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि तपयोगी पिता सुरेश ठाकुर उम्र 35 बर्ष निवासी मड़वा थाना मुंगवानी उसरी के पास हुई सड़क दुर्घटना मे घायल हो गया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है

उमस भरी गर्मी के बीच बिजली कटौती

तेंदूखेड़ा- इन दिनों तेंदूखेड़ा क्षेत्र में उमस भरी गर्मी से जहां आम जन जीवन प्रभावित बना हुआ है वहीं हो रही अघोषित वेहताशा विद्युत कटौती को लेकर उपभोक्ताओं का रोष बढ़ता ही चला जा रहा है। प्रतिदिन 24 घंटे में अनेकों बार बिजली गुल होना अब आम बात हो गई है।

अतरिया पंचायत सचिव ने लगाये बिना जीएसटी के बिल

नियम विरूद्ध लगे बिल, सचिव ने स्वीकारी गलती

लाखों रुपये की निकाली राशि, सचिव सरपंच ने दिखाया नियमों को धता

नरसिंहपुर

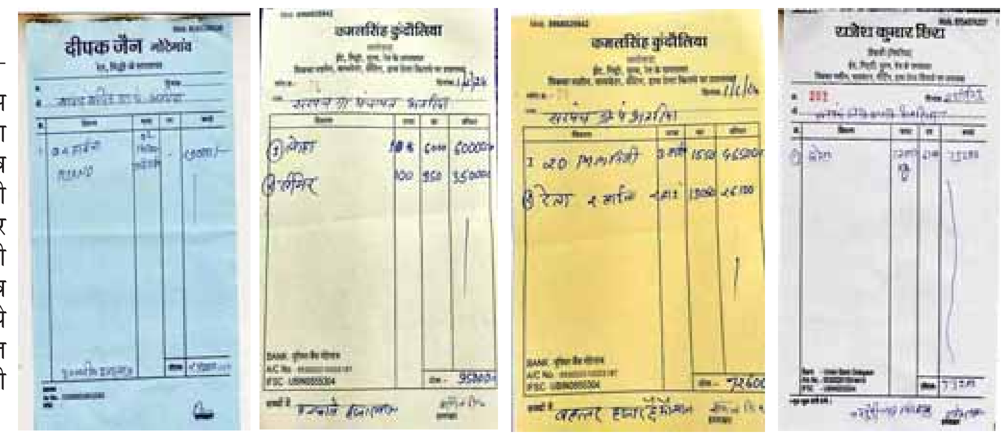

सरकार लाखों रुपये की राशि स्वीकृत कर ग्राम विकास तथा गरीबों के कल्याण की योजनाएं तैयार कर राशि स्वीकृत की जाती है। वही प्रशासन मे बैठे गैर जिम्मेदार व लापरवाह कर्मचारियों एवं अधिकारियों द्वारा शासन की मूल्यवान योजनाओं को पलीता लगाया जाता है। इसी प्रकार का मामला जिले के गोटेगांव ब्लाक के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत अतरिया का सामने आया जहां पर सरपंच व सचिव द्वारा बिना जीएसटी के बिल लगाकर लाखों रूपये की राशि निकाल ली गई। उक्त संबंध मे जब सचिव से बात की गई तो उनके द्वारा स्वीकार किया गया कि बिना जीएसटी के बिल नही लगाये जाते यह त्रुटि हैं ।

ग्राम विकास के नाम पर निकाली राषि

ग्राम पंचायत अतारिया सचिव सरपंच द्वारा निर्माण कार्यो के नाम पर राशि का आहरण किया गया है। राशि आहरण हेतु लगोय गये बिल बिना जीएसटी के है। हालांकि मिली जानकारी के अनुसार बिल बिना जीएसटी के भुगतान नही किये जाते है लेकिन प्रशासन के गैरजिम्मेदार अधिकारियों को लापरवाहपूर्ण कार्यप्रणाली या मिलीभगत के चलते बिलों का भुगतान धड़ल्ले से किया गया। ग्राम पंचायत द्वारा लाखों रूपये के बिना जीएसटी के बिल लगाये जाने पर लोगो द्वारा बिल फर्जी बताये जा रहे है । लोगो का मानना है कि राशि निकालने के लिये सरपंच व सचिव द्वारा अधिकारियों से मिली भगत कर भुगतान करा लिया गया । बिलों के भुगतानों में सरपंच सचिव द्वारा भारी अनियमिताएं एवं लापरवाही व अनदेखी नजर आ रही है।

दुकानों को नही पता लगा दिये बिल

ग्राम पंचायत अतारिया में ग्राम पंचायत के कार्यो के किए गए बिलो का भुगतान बिना जीएसटी के फर्जी बिलों पर कर दिया गया है उसका ना तो कोई भी दुकान और ना ही किसी प्रकार का जीएसटी नंबर है इसके अलावा अन्य ट्रेडर्स के नाम पर दीपक कुमार जैन के नाम से लगा रेत का फर्जी बिल एवं राजेश कुमार छिरा के द्वारा लोहे का बिल लगाया गया है जिसकी दुकान का पता खिड़की पिपरिया लिखा हुआ दर्शाया है जबकि खिड़की पिपरिया ग्राम में कोई भी दुकान ट्रेडर्स कि नहीं है और ना ही जीएसटी है इससे यह प्रतीक होता है ग्राम पंचायत ने शासन के बिल भुगतान संबंधित नियम आदेशों का ग्राम पंचायत के जिम्मेदार सरपंच सचिव द्वारा धज्जियां उड़ाई जा रही है जिससे यह प्रतीक होता है कि नकली फर्जी बिना जीएसटी के बिल लगाकर शासन की लाखों रुपए की राशि निकालकर होली खेल रहे और ग्राम पंचायत के विकास की जगह खुद अपना विकास करने में लगे हुए हैं।

फर्म पर भी हो कार्रवाई

ग्राम पंचायत अतरिया मे लगाये गये बिल मे जिन फर्मो द्वारा बिला जीएसटी का बिल दिया गया है प्रशासन द्वारा उन पर भी ठोस कार्रवाई की जानी चाहिये । इस तरह की इतनी बड़ी लापरवाही सचिव सरपंच की कार्य प्रणाली पर सवालिया निशान खड़े कर रहा है, क्योंकि इस तरह से फर्जी बिल लगाकर लाखों रुपए का फर्जीवाड़ा कर शासन की राशि को पतिला लगाने में जुटे हुए हैं, ग्राम पंचायतों में सरपंच सचिव की मिली भगत से पैसे निकालकर विकास कार्यो की राशि का गलत उपयोग किया जा रहा हैं, कहीं ना कहीं यह मामला बड़े भ्रष्टाचार की ओर इशारा कर रहा है कि आखिर इस राशि से विकास हुआ भी की नही या सिर्फ बिलो के भुगतान ही हो रहे हालांकि ये तो जांच का विषय है और जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा, अगर जनपद पंचायत के अधिकारी ग्राम पंचायत अतारिया में हो रही अनियमितताएं एवं फर्जी बिलों की जांच करने के साथ-साथ सरपंच सचिव द्वारा किए गए निर्माण कार्यो का आकलन करें तो भ्रष्टाचार के और भी खुलासे हो सकते हैं। इस मामले में फर्जी बिल वाले जिन-जिन ट्रेडर्सो के नाम के बिल ग्राम पंचायत अतारिया में लगाए गए हैं उनके ऊपर भी दंडात्मक कार्यवाही होना चाहिए।

सचिव ने स्वीकारी गलती

राशि आहरण हेतु लगाये गये बिलों के संबंध मे पंचायत सचिव नरेन्द्र पटेल से चर्चा की गई तो उनके द्वारा यह गलती स्वीकारी गई कि बिना जीएसटी वाले फर्म के बिल नही लगाने थे लेकिन प्रशासन के जिम्मेदार लोगो द्वारा बिना देखे बिलों का भुगतान कर दिया गया जिसके कारण अगले भुगतान के लिये वैसे ही बिल लगा दिये और उनका भी भुगतान जनपद पंचायत द्वारा कर दिया गया । प्रशासन को चाहिये कि मामले की सूक्ष्मता से जांच कर दोषियों पर ठोस कार्रवाई की जावे जिससे सरकार की मूल्यवान योजनाओं पर पलीता ना लग सके ।

इनका कहना है

उक्त संबंध मे मुझे जानकारी नही है आपके द्वारा जानकारी दी गई है मै इसकी जांच कराती हूं ।
श्रीमति वर्षा झारिया,
सीईओ जपं.

बिना जीएसटी के बिल भुगतान नही होते है लेकिन मेरे द्वारा लगाये गये थे और जनपद पंचायत द्वारा स्वीकृत कर भुगतान कर दिया गया जिससे मेरे द्वारा और बिल लगा दिये गये थे।
नरेन्द्र पटेल,
सचिव

बिना जीएसटी के बिल लगाये जाने की जानकारी नही है मै सचिव से चर्चा कर ही कुछ कह पाउंगा ।
रणजीत आर्य
सरपंच

दस हजार में दी दूध वाले को पीटने की सुपारी

नरसिंहपुर । जिले में एक दूध बेचने वाले को पीटने के लिए दस हजार रुपए की सुपारी देने का मामला सामने आया है। पिटाई से पीड़ति ने इस संबंध में स्टेशनगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उसने भीड़ के द्वारा पकड़े गए एक आरोपी का वीडियो भी पुलिस को दिया, जिसमें वह रुपयों के लिए पिटाई करने की बात स्वीकार कर रहा है। चीलाचैन गांव निवासी भुजबल सिंह कुर्मी ने शिकायत में बताया कि वह दूध बेचने का काम करता है। 13 जून की सुबह करीब साढ़े 8 बजे वह बाइक से दूध बेचने नरसिंहपुर आ रहा था। इसी दौरान नेशनल हाइवे 44 पर खमतरा के पास पीछे से तीन लड़के आए और उसे गालियां देने लगे। मना करने पर बरहेटा निवासी राजेंद्र ने हाथ में रखे बेसबाल के डंडे से उस पर हमला कर दिया। वहीं नरसिंहपुर निवासी कुनाल और शक्ति भारद्वाज ने भी मारपीट की। इसी दौरान चीलाचैन निवासी संजय परिहार और नीरज परिहार आ गए, जिन्होंने बीच बचाव किया और भागते वक्त शक्ति भारद्वाज को पकड़ लिया गया। शेष दोनों आरोपी उसे अगली बार जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। भीड़ की गिरफ्त में आए शक्ति भारद्वाज से पूछताछ का पीड़ति ने वीडियो भी बनाया। जिसमें उसने बताया कि उसे और अन्य दोनों साथियों को चीलाचैन कला के प्रहलाद पटेल ने मारने-पीटने भेजा है। इस काम के लिए उन्हें दस हजार रुपए देने कहा गया है। इन्हीं रुपयों के लालच में आकर उन्होंने मारपीट की है। आरोपी को पीड़ति थाने भी लेकर गया, जहां से उसे पूछताछ के बाद छोड़ने की बात सामने आई है। स्टेशनगंज थाना प्रभारी प्रदीप सराफ ने बताया कि चारों आरोपियों के विरुद्ध अवैध रूप से रास्ता रोकने, सामान्य मारपीट, गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी आदि की धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

रेलवे ट्रेक पर मिली व्यक्ति की लाश

नरसिंहपुर। कोतवाली थाना के निवारी चैकी अंतर्गत रहली गांव निवासी सुनील पिता प्रभात गिरी उम्र 34 वर्ष की टट्टा पुल के पास रेलवे ट्रेक पर छतविक्षत अवस्था में शव मिलने की सूचना कोतवाली पुलिस को प्राप्त हुई वहीं पुलिस मौके पर पहुँची और परिजनों की मौजूदगी में शव का पंचनामा कार्यवाही कर मर्ग प्रकरण कायम कर जिला अस्पताल के शवगृह में शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

जहरीली दवा के सेवन से व्यक्ति की मौत

नरसिंहपुर। स्टेशन गंज थाना अंतर्गत चीलाचैन कला निवासी कृपाल पिता अन्नीलाल पटेल उम्र 45 वर्ष ने पांसी रेलवे ट्रेक के पास जहरीली दवा का सेवन कर लिया था वही ग्राम कोटवार ने स्टेशनगंज थाना पुलिस को घटना की सूचना दी पुलिस मौके पर पहुँची परिजनों की मौजूदगी में पंचनामा कार्यवाही के बाद मर्ग प्रकरण कायम कर शव को जिला अस्पताल लाया गया जहां पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा।

पितृ दिवस पर काव्य गोष्ठी संपन्न

नरसिंहपुर। पितृ दिवस के अवसर पर नरसिंह साहित्य काव्य गोष्ठी गणेश चतुर्वेदी की अध्यक्षता कवि सी.बी.शर्मा, महेश त्रिपाठी सतीश तिवारी सरस के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुई गोष्ठी की शुरुआत कीरत सिंधु की सरस्वती वंदना से हुई तत्पश्चात कवि सूर्यकांत साहू द्वारा कदमों पर पटते देखा है पेड़ों को कटते देखा है पंक्तियों के माध्यम से पर्यावरण रक्षा की ओर इशारा किया कवि नरेंद्र सराठे द्वारा तेरे मुस्कुराए चेहरे पर छुपा एक राज होता है,बिना छेड़ें बज जाए ऐसा साज होता है पंक्तियों के माध्यम से माहौल को खुशनुमा बनाया कवयित्री श्रीमती मनीषा राय द्वारा कोई लाख दे करोड़ खुशी दे नहीं सकता, पिता की जगह कोई कभी ले नहीं सकता पंक्तियों के माध्यम से पिता का महत्व प्रतिपादित किया वही संचालन कर रहे कवि प्रशांत शर्मा सरल द्वारा माता यदि जीवन तो पिता संसार है, माता यदि घर है तो पिता उसका द्वारा है पंक्तियों के माध्यम से माता के साथ पिता के महत्व पर प्रकाश डाला वरिष्ठ कवि महेश त्रिपाठी द्वारा जल ही जीवन है जल बिना सब सून पंक्तियों के माध्यम से जल को संरक्षित करने की ओर इशारा किया वरिष्ठ कवि सी. बी. शर्मा द्वारा मानो तो मैं रामायण हूँ, न मानो तो एक कहानी पंक्तियों के माध्यम से रामायण के महत्व को प्रतिपादित किया कवि सतीश तिवारी सरस द्वारा ष्आर्थिक सेहत स्वयं सुधारें,धनवानों की करें न निंदा उन पर निज दिल वारें ष्पंक्तियों के माध्यम से अपने अलग अंदाज में धनवानो की वंदना की कवि कीरत सिंधु ने भी काव्य पाठ किया गणेश चतुर्वेदी एवं स्कूल की प्राचार्य श्रीमती उजाला नारोलिया द्वारा सारगर्भित उद्बबोधन एवं आशीष प्राप्त हुआ करेली के वरिष्ठ कवि रसिकलाल परमार जी की श्रद्धांजलि के साथ गोष्ठी का समापन हुआ।

सहकारी व निजी क्षेत्र के विक्रेताओं का ऑन बोर्ड होना अनिवार्य

नरसिंहपुर। राज्य शासन ने कृषि विभाग में संचालित योजनाओं के अंतर्गत फसल प्रदर्शन, बीज वितरण में बीज, पोषक तत्व, दवाइयां आदि आदान सामग्री में अनुदान भुगतान के लिए खरीफ वर्ष 2024- 25 में ई- रूपी वाउचर के माध्यम से भुगतान करने का निर्णय लिया है। उप संचालक कृषि नरसिंहपुर ने ई- रूपी कैशलेस पेमेंट के तरीके के बारे में बताया कि इसमें माध्यम से कृषकों को कृषि आदान खरीदने से कई फायदे मिलते हैं। यह सब्सिडी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करता है। विक्रेताओं को सीधे भुगतान सुनिश्चित करता है। रिसाव को कम करता है और लेनदेन में पारदर्शिता को बढ़ाता है। इसके अतिरिक्त यह लक्षित वितरण की सुविधा भी प्रदान करता है, जिससे किसानों को गुणवत्तापूर्ण इनपुट कुशलता पूर्वक प्राप्त करने में मदद मिलती है। कृषि आदान सामग्री के अनुदान भुगतान के लिए जिले के अनुज्ञप्तिधारक निजी व सहकारी क्षेत्र के विक्रेताओं (वेंडर्स) को 20 जून 2024 तक बैंक ऑफ महाराष्ट्र में खाता खुलवाना अनिवार्य होगा। बैंक द्वारा वेंडर्स के एंड्राइड मोबाइल पर एप्लीकेशन भेजा जाएगा, जिसे डाउनलोड कर ई- रूपी वाउचर को रिडीम किया जा सकेगा। विक्रेताओं को ई- रुपी स्वीकार किए जाने का डिस्प्ले अपनी संस्था में लगाना होगा। एमपी किसान ऐप में पंजीकृत कृषकों के मोबाइल में भेजे गए ई- रूपी वाउचर को कृषक आसानी से डिस्प्ले की गई संस्थानों में जाकर वाउचर को रिडीम कराकर आदान सामग्री प्राप्त कर सकते हैं। कृषक का वाउचर रिडीम होने के पश्चात राशि सीधे विक्रेताओं के आधार लिंक बैंक खाते में प्राप्त हो सकेगी। अनुज्ञप्तिधारक निजी व सहकारी क्षेत्र के विक्रेताओं से अपील की गई है कि वे कृषि आदान सामग्री विक्रय हेतु अपना खाता बैंक आफ महाराष्ट्र में आवश्यक रूप से खुलवाऐं, जिससे 20 जून तक ऑन बोर्ड किए जाने की प्रक्रिया पूर्ण हो सके।

228 लोगों के काटे चालान, पुलिस ने की कार्रवाई

नरसिंहपुर। जिले मे पुलिस द्वारा चलाये जा रहे अभियान एक दिन एक रोड के तहत विभिन्न क्षेत्रों में कान फाडू, तेज आबाज सायलेंसर वाले 4 वाहनों, बिना हेतमेट, बिना सीट बेल्ट पहने वाहन एवं नियम विरूद्ध वाहन चलाने वाले 228 लोगों के काटे गये चालान, किया गया 85200 रूपये समन शुल्क वसूल एवं रोड पर दुकान लगाकर यातायात बाधित करनें वालों दी गयी हिदायत। जिला अंतर्गत मुख्य नगरीय एवं व्यस्तम क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था में सुधार लाने एवं यातायात बाधित करने वाले दुकानदार, हाथ ठेले एवं नियम विरूद्ध वाहन चलाने वाले चालकों के विरूद्ध चालानी कार्यवाही करना है ताकि आमजनों को असुविधा का सामना न करना पडे साथ ही जिले में घटित होने वालें अपराधों पर अुकंश लगाया जा सके। पुलिस को लगातार बुलट मोटर सायकिल सवारों के द्वारा तेज साउड वाले एवं मॉडीफाई साइलेंसर लगवाकर धमा-चैकड़ी मचाये जाने की शिकायत मिल रही थी। शिकायते प्राप्त होने पर तेज साउड वाले एवं मॉडीफाई कान फाडुसाइलेंसर लगवाकर धमा-चैकड़ी मचाने वाले बुलट मोटर सायकिल चालकों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में विगत तीन दिनों में कान फाडू, तेज आबाज सायलेंसर वाले 4 वाहनों के विरूद्ध चालानी कार्यवाही की जाकर उनके सायलेंसर निकाले गये है। पुलिस टीमों द्वारा जिले के मुख्य नगरीय क्षेत्रों में कार्यवाही करते हुए ऐसे दुकानदार जो अपनी दुकान का सामान रोड पर रखकर यातायात बाधित करते है एवं हाथ ठेले वाले दुकानदारों को निर्धारित स्थान पर लगवाया गया एवं भविष्य में रोड पर दुकान न लगाने की हिदायत दी गयी साथ ही चेतावनी दी गयी कि आपके द्वारा पुनः नियमों का उल्लंघन किया जाता है तो आपके विरूद्ध चालानी कार्यवाही की जावेगी।

8 बकरियों की मौत, कारण अज्ञात

नरसिंहपुर। जिले के ठेमी थाना अंतर्गत आनेवाले गांव गुंदरई में अज्ञात कारणों के चलते कोई जहरीली दवा का सेवन कर लेने से बकरियों की मौत हो गई। जिससे किसान को लाखो रुपए का नुकसान हो गया। वहीं पीड़ति किसान रामेश्वर वंशकार ने बताया कि मेरा बेटा बकरियों को लेकर खेत गया था वहीं अज्ञात कारणों के चलते से मेरी 8 बकरियों की मौत हो गई और इस घटना की रिपोर्ट ठेमी पुलिस को दी गई। रिपोर्ट दर्ज करने के बकरियां का पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही बकरियों की मौत का कारण पता चल सकेगा।

मध्यप्रदेश क्विज प्रतियोगिता का आयोजन 27 जुलाई को

नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश पर्यटन क्विज प्रतियोगिता- 2024 का आयोजन जिला स्तर पर 27 जुलाई शनिवार को किया जायेगा। इस प्रतियोगिता में जिले के समस्त पंजीकृत स्कूलों विद्यालयों के कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक के विद्यार्थी ही भाग ले सकते हैं। यह प्रतियोगिता का आयोजन दो चरणों में होगा। प्रथम चरण जिला स्तरीय पर होगा एवं द्वितीय चरण राज्य स्तरीय पर होगा। प्रथम चरण में प्रत्येक जिले की विजेता टीम द्वारा भाग लिया जावेगा। समस्त शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों द्वारा अपनी टीम का पंजीयन 8 जुलाई सायं 5.30 बजे तक ऑनलाईन लिंक के माध्यम से किया जाएगा। जिला स्तर पर दो चरणों में प्रतियोगिता आयोजित होगी। प्रथम चरण में लिखित प्रश्न पत्र के हल करने के पश्चात सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली जिले की 6 टीमों को द्वितीय चरण ऑडियो विजुअल राउण्ड में प्रवेश दिया जावेगा। जिला स्तर पर ऑडियो विजुअल राउण्ड में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली टीम राज्य स्तर पर आयोजित क्विज प्रतियोगिता के लिए पात्र होगी। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद एवं स्कूल शिक्षा विभाग के सहयोग से मध्यप्रदेश के समृद्धशाली इतिहास, परम्पराओं, ऐतिहासिक धरोहर, सांस्कृतिक विविधाताओं, कलां, प्राकृतिक समृद्धि, महापुरूषों, पर्यटन महत्व की संभावनाओं आदि से छात्रों को अवगत कराने तथा पर्यटन के माध्यम से जागरूक कराने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पर्यटन क्विज प्रतियोगिता 2024 का आयोजन जिला स्तर पर 27 जुलाई शनिवार को किया जा रहा है। यह जानकारी जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद जिला नरसिंहपुर के प्रभारी अधिकारी विवेक सिंह ने दी है।

नवलगांव हत्याकांड को करेली प्रेस परिषद ने सौंपा ज्ञापन

करेली। नवलगांव में हुए हत्याकांड की उचित जांच एवं प्रकरण में आरोपी बनाये गये पत्रकार सिद्धार्थ ब्रजपुरिया की भूमिका की निष्पक्ष जांच कराने की मांग को लेकर करेली के पत्रकारों ने प्रेस परिषद करेली के बेनर तले पुलिस अधीक्षक अमित कुमार को ज्ञापन सौंपा। संगठन के अध्यक्ष अनुज ममार ने बताया कि ज्ञापन में छह बिन्दुओं का उल्लेख करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की गई है। ज्ञापन की प्रतियां गृहमंत्री मप्र शासन भोपाल, पुलिस महानिदेशक मप्र शासन भोपाल पुलिस महानिरीक्षक जबलपुर संभाग जबलपुर को भी प्रेषित की गई है।

उच्च शिक्षा मंत्री से मिले विधायक

तेंदूखेड़ा- तेंदूखेड़ा तहसील मुख्यालय मे संचालित शास. महाविद्यालय की विभिन्न समस्याओं को लेकर तेंदूखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल ने भोपाल प्रवास के दौरान मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा तकनीकि शिक्षा एवं आयुष विभाग मंत्री माननीय इंदर सिंह परमार के निवास पहुंचकर वस्तु स्थिति से अवगत कराते हुये एक पत्र सौंपकर जल्द से जल्द समस्या का निराकरण कराने का निवेदन किया है। उच्चशिक्षा मंत्री द्वारा भी शीघ्र निराकरण हेतु आश्वस्त किया है।

लाखों खर्च होने के बाद भी पटरी पर नहीं आई पेयजल व्यवस्था

तेंदूखेड़ा- चांवरपाठा विकास खंड के अंतर्गत आने वाले आदिवासी ग्राम ढिलवार में पानी की समस्या काफी लंबे समय से बनीं हुई है। स्थानीय स्तर पर अनेकों प्रयास किये जाने के बाबजूद भी पानी नसीब नहीं हो पा रहा था। गर्मी का मौसम आते ही यहां के हेंडपंप पानी की जगह हवा उगलने लगते थे। यहां के वाशिंदे एक से दो तीन किलोमीटर दूर से साइकिलों या गाड़ी बैल के माध्यम से पीने और निस्तार का पानी ढोकर लाया करते थे। यहां तक कि जल स्रोतों के समीप पहुंच वहीं निस्तार करके मवेशियों को पानी पिलाने से लेकर महिलाएं सिर पर पानी ढोकर लातीं थी। दिहाड़ी मजदूरी करने वाले लोगों को अपनी मजदूरी की चिंता के साथ पानी की ज्यादा चिंता बनीं रहती थी। अनेकों प्रयत्नों के बाबजूद ढिलवार से लगभग ढाई किलोमीटर दूर एक खेत से जहां पानी की पर्याप्तता है वहां से विद्युत मोटरों के माध्यम से अलग-अलग स्टाप बना कर विद्युत मोटरों से पानी खींच कर अब कहीं पानी पहुंचाना प्रारंभ किया गया था। लेकिन अभी सही तरीके से पानी ना पहुंचने की स्थिति में ग्रामीणों द्वारा अपने स्तर से प्यास बुझाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस संबंध में ग्राम के प्रतिष्ठित रामकुमार ठाकुर ने हमारे प्रतिनिधि को बताया कि गांव में अभी भी पानी की समस्या बनी हुई है। जमीन के अंदर जो टेंक बना है वह काफी छोटा है 25 से 30 मिनट में खाली हो जाता है पानी मोटर से बहुत कम आता है डेढ़ घंटे में भर पाता है इस करण समस्या का निदान नहीं हो पा रहा है। वहीं ग्राम के सरपंच का कहना है कि अभी उनके द्वारा इस योजना को अपने हेंडओवर नहीं लिया है।जब तक पूर्ण रूप से गांव के प्रत्येक घर में पानी नहीं पहुंच जाता तब तक संतुष्ट नहीं होंगे।